सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 172 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 06 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी अमिता, मुख्यमंत्री साय ने दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि 9 अप्रैल को अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं। यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है।

बेटियां छत्तीसगढ़ को दे रही पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कहा प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी और छत्तीसगढ़ सहित पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री ने अमिता श्रीवास को इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फगतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि अमिता का यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती।

खास-खबर

स्वास्थ्य विभाग के राज्य सलाहकार से 1.86 लाख की ठगी

रायपुर। रायपुर के सरस्वती नगर थाना निवासी स्वास्थ्य विभाग के सलाहकार को साइबर ठगों ने वर्क फ्रॉम होम काम देने का झांसा देकर 1 लाख 86 हजार की ठगी कर ली। साइबर अपराधियों ने रजिस्ट्रेशन और टास्क के नाम पर पैसे ट्रांसफर कराए और फिर पैसे वापस नहीं दिए। पैसे वापस नहीं मिलने पर पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का नाम पुलिस द्वारा अविनाश शराफ बताया जा रहा है। सरस्वती नगर पुलिस के अनुसार पीड़ित अविनाश शराफ 8 मार्च 2026 को वह फेसबुक चला रहा था, तभी उसे पार्ट टाइम इनकम से जुड़ा एक विज्ञापन दिखा। लिंक पर क्लिक करते ही उसे एक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराया गया और व्हाट्सएप के ग्रुप में जोड़ दिया गया। शुरुआत में ठगों ने भरोसा जीतने के लिए 200 रुपए का टास्क पूरा करवाया और बदले में 300 रुपए वापस भी दिए। इसके बाद बड़े मुनाफे का लालच देकर 1 लाख 86 हजार की ठगी कर ली।

बंगाल में बने सिस्टम से छत्तीसगढ़ में बारिश का अलर्ट

रायपुर। पश्चिम बंगाल में बने सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ का मौसम बदला हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार और कल मंगलवार कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम बंगाल से तेलंगाना तक एक ट्रफ लाइन छत्तीसगढ़ के ऊपर से गुजर रही है, जिसके कारण बादल, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान जगदलपुर में 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 19.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

बाजार में महिला से 3 तोले की सोने चोरी

रायपुर। भीड़भाड़ वाले गोल बाजार में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। यहां खरीदारी करने पहुंची एक महिला के गले से अज्ञात चोर करीब 3 तोले वजनी सोने की चेन पार कर ले गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता का नाम पुलिस द्वारा हेमिन देवी वस्त्रकार बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हेमिन देवी वसत्रकार 5 अप्रैल की शाम को अपनी बेटी जागृति गुप्ता के साथ गोल बाजार आई थी। खरीदारी करने के बाद महिला अपनी बेटी के साथ बर्तन दुकान की ओर बढ़ी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके गले से सोने की चेन पार कर दी। महिला के मुताबिक चेन का वजन 3 तोला है।

नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ : गृहनगर में डिप्टी सीएम शर्मा का भव्य स्वागत, लड्डुओं से तौला

डिप्टी सीएम ने कहा - अब बस्तर विकास की राह पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद रविवार देर रात कवर्धा शहर में उत्सव का माहौल रहा। स्थानीय विधायक व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री गृह मंत्री विजय शर्मा अपने गृह नगर पहुंचे। उनके आगमन पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। हजारों की भीड़ ने बाजा-गाजा और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विजय शर्मा को लड्डुओं से तौलकर सम्मानित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए विजय शर्मा ने जनता के अपार स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नक्सल समस्या अत्यंत संवेदनशील विषय रही है। इसकी पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। नक्सलियों का उद्देश्य बंदूक के बल पर सत्ता स्थापित करना था। भारत का लोकतंत्र मजबूत और प्राचीन परंपराओं पर आधारित है।

भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर हथियार थमाए : विजय शर्मा

विजय शर्मा ने बताया कि भोले-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर हथियार थमाए गए। स्कूल, सड़क, तालाब जैसे विकास कार्यों को भी निशाना बनाया गया। निर्दोष ग्रामीणों, कर्मचारियों और सुरक्षाबलों पर हमले मानवता के खिलाफ अपराध थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया था। यह संकल्प अब पूरा हो चुका है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सुरक्षा बलों, स्थानीय जनता और राजनीतिक नेतृत्व को दिया। मीडिया और बस्तरवासियों के सामूहिक प्रयासों को भी सराहा गया। आज बस्तर में भय का माहौल समाप्त हो चुका है। गांवों में खुशहाली है और बाजारों में रौनक लौट आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक निर्णय संभव हुआ।

सीएम साय बोले- ममता सरकार ने लालू के जंगल राज को भी पीछे छोड़ा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर अपनी प्रतिक्रिया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है और चुनावी माहौल में पार्टी को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। नामांकन रैलियों में उमड़ रही भीड़ को उन्होंने इसका संकेत बताया। मुख्यमंत्री ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों में राज्य में विकास की रफ्तार धीमी रही। उन्होंने कहा कि लालू यादव के जंगल राज को भी ममता सरकार ने पीछे छोड़ दिया है। केंद्र की योजनाओं को राज्य सरकार ने जानबूझकर लागू नहीं किया। इस बार बदलाव की साफ लहर है और वहां बीजेपी की सरकार बनेगी।

पीओएस मशीन से अनियमित यूरिया वितरण पर 106 प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। भारत सरकार के उर्वरक मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 16 मार्च 2026 से 29 मार्च 2026 के दौरान पीओएस मशीन के माध्यम से यूरिया के अनियमित वितरण के मामलों में जिले के कुल 106 प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

उप संचालक कृषि एफ आर कश्यप ने बताया कि इनमें 86 निजी तथा 20 सहकारी संस्थाएं शामिल हैं, जिनके द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लंघन करते हुए यूरिया का विक्रय अनियमित रूप से किया गया। इस पर संबंधित संस्थाओं को नोटिस जारी कर 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। उप संचालक कृषि श्री कश्यप ने बताया कि जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने और किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के लिए मैदानी अधिकारियों द्वारा निजी एवं सहकारी संस्थाओं का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को निर्धारित दर पर और पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हो सके।

जग्गी हत्याकांड : अमित जोगी को उम्रकैद

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि जब सभी आरोपियों पर एक ही अपराध में शामिल होने का आरोप हो, तो किसी एक आरोपी के साथ जानबूझकर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि जब सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसे सबूत हों, तो किसी एक को बरी कर देना और बाकी को उन्हीं सबूतों के आधार पर दोषी ठहराना सही नहीं है, जब तक कि उसे छोड़ने का कोई ठोस कारण साबित न हो। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिविजनल बेंच ने फैसला सुनाया है। अमित जोगी को आईपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और 1000 रुपए जुर्माने की सजा दी गई। जुर्माना न देने पर 6 महीने अतिरिक्त सजा होगी।

देवगुराड़िया के पास सड़क हादसे में चार की मौत, 8 घायल

मिनी ट्रक ने वैन को मारी जोरदार टक्कर

इंदौर। जिले के देवगुराड़िया मार्ग पर रविवार रात ढाई बजे के करीब सड़क हादसे में चार लोगों की जान चली गई। मिनी ट्रक और वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में सवार लोग सड़क पर आ गिरे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई। घटना में आठ लोग घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए भर्ती किया गया है।

मृतकों की पहचान इरफान, आशिर और फरहान व एक अन्य रुप में हुई है। मृतक व घायल सदर बाजार निवासी है। वाहन में बाराती सवार थे। आष्टा से शादी के बाद वे इंदौर की तरफ लौट रहे थे और मिनी ट्रक सामने की दिशा से आ रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुई वैन में दस से ज्यादा लोग सवार थे। वाहन का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी चला रहे ड्राइवर समेत चार लोगों की इस हादसे में मौत हुई है। घटना के बाद मिनी ट्रक के चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बाद में पुलिस ने चक्काजाम कर रहे लोगों को सड़क से हटाकर ट्रैफिक बहाल कराया। घटना के बाद घायलों के रिश्तेदार एमवाय अस्पताल पहुंचे।

बिलासपुर में नए बोर खनन पर प्रतिबंध

पेयजल संकट से निपटने बड़ा फैसला, 30 जून तक नलकूप खनन पर रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नए नलकूप एवं ट्यूबवेल खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नए नलकूप/ट्यूबवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह निर्णय लिया गया है, जिसमें बताया गया है कि भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इस स्थिति को नियंत्रित करने तथा पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की

धारा-3 के तहत यह आदेश जारी किया गया है।

आदेश के तहत बिलासपुर जिले के विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर एवं कोटा को 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक जलाभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इस अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति या संस्था नए नलकूप खनन नहीं कर सकेगी। हालांकि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं नगर पंचायतों जैसी शासकीय एजेंसियों को केवल पेयजल आपूर्ति हेतु आवश्यकता अनुसार नलकूप खनन की अनुमति दी गई है। इसके लिए उन्हें पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन संबंधित कार्यों की जानकारी अधिकृत अधिकारियों को देना अनिवार्य होगा।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

खाली कराया गया कैंपस, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली। सोमवार को सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय के दो प्रतिष्ठित कॉलेज, रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज, को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद खाली करा लिया गया। इस सूचना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया।

धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड

को तुरंत कॉलेज परिसरों में भेजा गया। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचकर पूरे कॉलेज में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। अभी तक की तलाशी में किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु मिलने की कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, दोनों कॉलेजों को एक ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस सूचना को देखते हुए तत्काल दोनों कॉलेजों के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिल्ली पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। धमकी भरे ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है।

पीएम ने की महिला आरक्षण विधेयक पर सभी दलों से एकजुट समर्थन की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सभी दलों से एकजुट समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है और सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया है कि देश की महिलाओं के अधिकारों से जुड़े इस अहम कानून को सर्वसम्मति से पारित किया जाए। पीएम ने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह बिल सभी राज्यों के हित में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्वोत्तर या दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों में जहां प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। सरकार महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटों की व्यवस्था कर रही है।

भाजपा स्थापना दिवस: सीएम साय ने किया ध्वजारोहण, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के 47वां स्थापना दिवस के मौके पर राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में ध्वजारोहण किया। वहीं प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित सभी दिग्गज नेताओं ने कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा हमेशा 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत के साथ समाज की सेवा में अग्रणी रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा, अथक समर्पण और अच्छे शासन के प्रति उत्साह की सराहना की।

पीएम ने याद दिलाया कि कई दशकों में पार्टी के विकास में अनेकों कार्यकर्ताओं का योगदान रहा है, जिन्होंने त्याग, सेवा और दृढ़ संकल्प से भाजपा को मजबूत बनाया। मोदी ने कहा कि पार्टी हमेशा लोगों की भलाई को केंद्र में रखकर काम करती रही है, और यह प्रतिबद्धता केंद्र और राज्य स्तर पर दिखती है।

गृहमंत्री अमित शाह ने भी दी बधाई

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ट्वीट कर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और 'नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट' के मूल मंत्र पर जोर दिया। शाह ने कहा कि चाहे सीमा सुरक्षा हो, आंतरिक सुरक्षा मजबूत करना हो, विकास में नए मानक स्थापित करना हो, या भारतीय संस्कृति की जीवंतता को बनाए रखना हो भाजपा ने हमेशा अपने कार्यों से इसे सिद्ध किया है। अमित शाह ने ऋषि दधीचि को भी नमन किया, जिनके त्याग ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पार्टी के विकास में योगदान दिया।

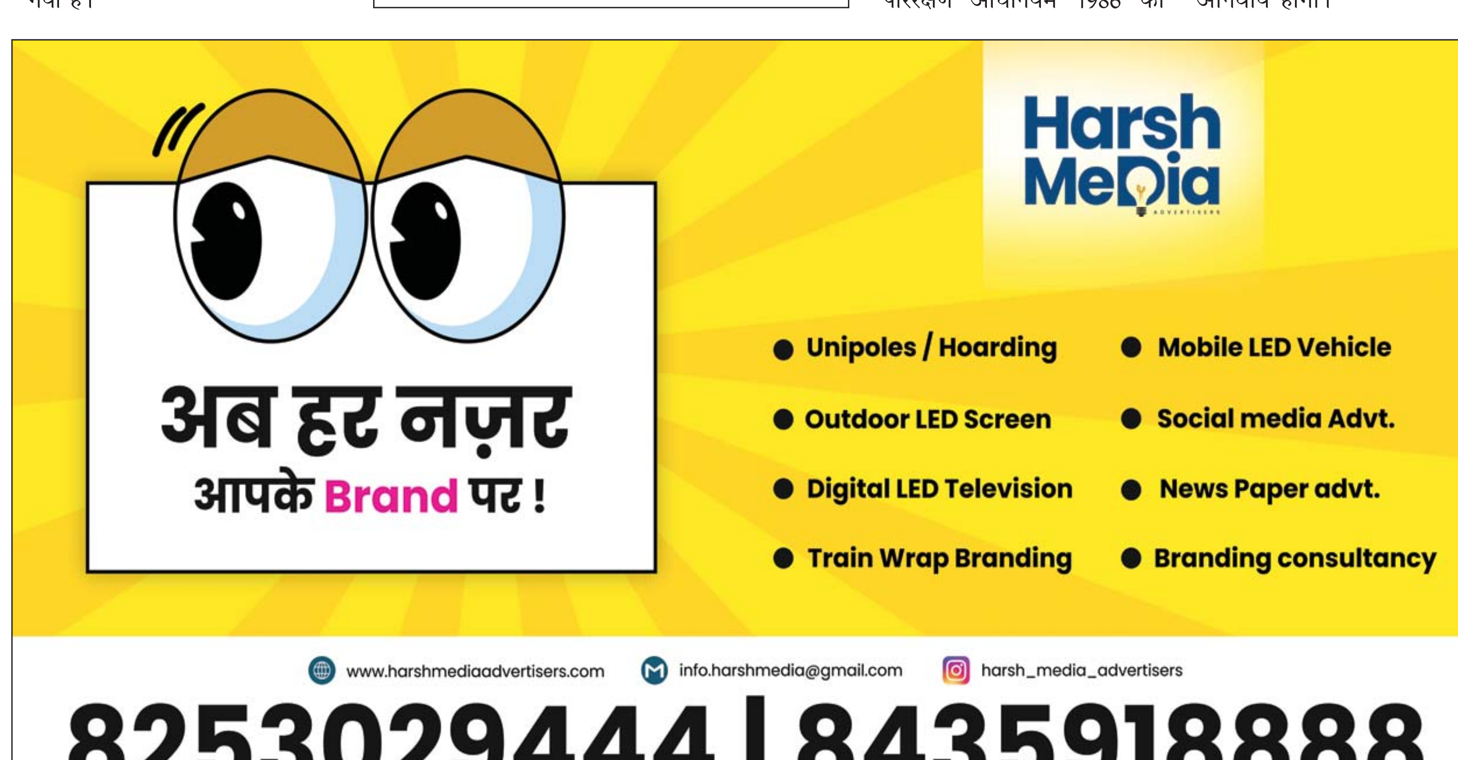

संपादकीय

दवा के दर्द

हरियाणा-हिमाचल के फार्मा उद्योग पर मार

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशत: पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

> “ दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशत: पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

मौजूदा माहौल में प्रवासियों को आश्वस्त करना जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

यदि ईरान व अमेरिका-इस्राइल युद्ध लंबा चला तो आयातित तेल व उर्वरक और महंगे होंगे। वहीं जीडीपी अनुमानों में बदलाव के संकेत भी आर्थिकी पर असर डाल सकते हैं। प्रवासियों को मुश्किलों से उबरने में मदद चाहिये। फिलहाल रसोई गैस की समस्या से प्रवासी अपने गांव लौट रहे हैं। पहले उन्हें वहीं ठहरने को आश्वस्त करें, जिसे वे घर कहते हैं।

ऐसे में जब भारत पश्चिम एशिया में युद्ध से पैदा हुए तेल-गैस संकट से निबटने में लगा है, प्रवासी मज़दूरों की घर वापसी शुरू हो गयी है। पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक, जहां भी प्रवासियों की बड़ी आबादी है, 5 किलो वाले छोटे रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता में कमी के कारण वे उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने गांवों को लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

हालात हर्गिज़ वैसे नहीं जैसे मार्च 2020 में थे, जब देश में कोविड महामारी फैली थी और रातोंरात लॉकडाउन घोषित कर दिया गया था। गत सप्ताह, 'द ट्रिब्यून' के पत्रकारों - दीपकमल कौर, नीरज बग्गा और शिवानी भाकू - ने पाया कि वैसे तो हर साल बैसाखी के आसपास प्रवासी हमेशा से जाते रहे हैं, जब रबी फसल की कटाई हो चुकी होती है, मज़दूरी मिल चुकी होती है और मालिक आने वाले नए साल की खुशी से सराबोर होते हैं- वहीं एक बार फिर से क्षितिज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। चिंतातुर प्रवासी जो आशंका जता रहे हैं, वह हो भी सकता है, कह रहे हैं कि यदि हो गया तब होगा। निश्चित तौर पर यह युद्ध भारत व दुनिया को अपनी बेहतरीन योजनाओं पर फिर विचार करने को मजबूर कर रहा है।

देश के भीतर, मोदी सरकार रुपये की गिरती कीमत को थामकर रखने को प्रयासरत है- एक महीने पहले, 28 फरवरी को अली खामेनेई की हत्या के साथ संकट शुरू होने से पहले, भाव 90 रुपये प्रति डॉलर पर था, और पिछले हफ्ते इसने 95 रुपये प्रति डॉलर की मनोवैज्ञानिक सीमा भी पार ली थी, जिसके बाद आंशिक वापसी भी की। तेल का दाम बढ़ने को फिलहाल थाम रखा है- भारत अपनी खपत का कम से कम 80 प्रतिशत तेल आयात करता है- लेकिन उर्वरक की कीमतें अभी से बढ़ने लगी हैं। तेल की भांति-जिसकी खपत का पांचवां हिस्सा होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रता है -दुनियाभर में पहुंचने वाले अमोनिया और यूरिया का 25-30 प्रतिशत इस संकरे जलडमरू से होकर गुजरता है और ये दोनों उर्वरक बनाने में मुख्य घटक हैं, और खाद बनाने में इस्तेमाल होने वाली नैचुरल गैस का 20 प्रतिशत भी इसी रास्ते से आता है।

ईरान यूरिया का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है (यह एक आम नाइट्रोजन उर्वरक है); ईरानी हमलों के बाद कतर ने अपने गैस संयंत्र बंद कर दिए - वह दुनिया के 14 फीसदी यूरिया की आपूर्ति करता है। भारत दुनिया में उर्वरक का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। अब आपको पूरी तस्वीर साफहो गई होगी। अगर ईरान युद्ध जारी रहता है व खाद बनाने वाले घटकों की सप्लाई में रुकावट आती है- दुनिया के अन्न उत्पादन का करीब आधा हिस्सा सिंथेटिक नाइट्रोजन खाद पर निर्भर है- तो गरीब और ज्यादा मुश्किल में पड़ जाएंगे।

इस बीच, जैसे-जैसे यूरोप ट्रंप से तंग आ रहा है- फ्रांस, स्पेन और जर्मनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की दोहरी बातों पर सरेआम नाराज़गी व्यक्त की है; कि एक तरफ वे युद्ध रोकने की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर चेतावनी कि अमेरिकी सेना इस पुरानी फारसी सभ्यता को घुटनों पर लाने के लिए ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे, जैसे पुल, बिजली लाइनों आदि को निशाना बनाएगी- शक्ति संतुलन के बदलने के आरंभिक संकेत शायद अब मिलने लगे हैं।

कुछ दिनों से होर्मुज़ जलडमरू मध्य पर जहाज़ों से टोल टैक्स युआन में वसूलना शुरू हो चुका है। गत शुक्रवार, भारत के लिए तेल ले जा रहा एक जहाज़ रास्ता बदलकर अब चीन की तरफ बढ़ रहा है। सामान्य कामकाज में बन जाने वाली असहजता अजीब बात नहीं- आख़िर युद्ध जारी है और भारत भी उससे अछूता नहीं- इस माह कई राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर गहमागहमी छायी है। नतीजन, भारत के राज्यों का सियासी नक्शा इस चुनाव या अगले साल होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों के बाद बदल भी सकता है और नहीं भी- लेकिन, सत्ताधारी भाजपा को निश्चित रूप से कोई खतरा नहीं। प्रधानमंत्री हमेशा वाले अपने जोश के साथ देश के एक कोने से दूसरे में जा रहे हैं; जहां असम में वे चाय बागान में महिला मज़दूरों के साथ चाय की पत्तियां तोड़ते नज़र आए वहीं इससे कुछ दिन पूर्व, और बाद में, पुडुचेरी, तमिलनाडु व केरल में रैलियों को संबोधित किया।

शायद युद्ध की वजह से पैदा हुई बेचैनी पिछले महीने वॉशिंगटन डीसी स्थित एक थिंक टैंक, 'पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स' की एक रिपोर्ट से और भी बढ़ गई। इस थिंक टैंक की अगुवाई अरविंद सुब्रमण्यन कर रहे हैं, जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं। इस वर्किंग पेपर में 'भारत के जीडीपी आकलनों में पिछले 20 साल से हो रही गलतियों' के नए सबूत पेश किए गए हैं। अर्थशास्त्री के तर्क का मुख्य बिंदु है कि 2005 से 2011 के बीच के 'तेज़ी के सालों' में- भारत ने शायद कभी अपनी आर्थिक विकास दर 1-1.5 फीसदी अंक कम करके आंकी थी, जबकि 2012-2023 के बीच अपनी आर्थिक विकास दर को 1-1.5 प्रतिशत अंक ज़्यादा करके आंका है। रोचक यह कि जिस आधे दशक में दर कम करके आंकी गई, वह मनमोहन सिंह के कार्यकाल से मेल खाता है; जब पूर्व प्रधानमंत्री ने आर्थिक तरक्की पाने में 'एनिमल स्पिरिट्स' (सहज आशावाद) जगाने का आह्वान किया व एक महत्वाकांक्षी भारत का निर्माण किया। जबकि, मोदी का शासन काल वह दशक है जिसमें आर्थिक वृद्धि को बढ़ाकर आंका गया, इस कालखंड की मुख्य पहचान नोटबंदी, जीएसटी की शुरुआत और कोविड महामारी से है-ज़ाहिर है, इनमें महामारी उनकी गलती नहीं थी।

सुब्रमण्यन के अनुसार, जीडीपी का आकलन बढ़ाकर करने का एक कारण यह है कि भारत ने 2011-12 से जीडीपी मापने के लिए डेटा समेत अपने स्रोत और आकलन विधि बदल दिए हैं। साल 2011-12 से 2016-17 तक के सरकारी अनुमानों के अनुसार औसत जीडीपी वृद्धि लगभग 6.5-7 प्रतिशत थी, लेकिन असल में यह 4.5 प्रतिशत रही होगी। वहीं 2005-2011 की अवधि में, जब जीडीपी का अनुमान 7 प्रतिशत था, जबकि वास्तव में यह 8-8.5 प्रतिशत रही होगी। सुब्रमण्यन आगे कहते हैं कि बढ़ाकर दिखाया गया जीडीपी अनुमान कुछ हद तक मापने की विधि में बदलाव से जुड़ा है, जब अर्थव्यवस्था में छोटा सा अंश रखने वाले औपचारिक क्षेत्र को विशाल अनौपचारिक क्षेत्र का नमूना प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) मानकर गणना की गई- कुछ लोगों का कहना है कि अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा सकल अर्थव्यवस्था के 94 प्रतिशत जितना तक बड़ा है। उनका कहना है कि इस नए सबूत का असर मौजूदा अर्थव्यवस्था पर होगा, जीडीपी पर और उपभोक्ता की क्रय शक्ति पर भी।

फिर भी, राजनीतिक स्थिरता की धारणा एक अजीब चीज़ है। बहुत साल पहले, 1991 में, जब मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के तौर पर अपना प्रथम बजट पेश किया , उस समय भारत की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई थी, तब उन्होंने विक्टर ह्यूगो का हवाला देते हुए कहा था: 'धरती पर कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया हो'। 2014 में, उनके नेतृत्व में प्राप्त ज़बरदस्त आर्थिक वृद्धि के बावजूद,प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पार्टी मोदी की भाजपा से सत्ता हार गई- उस वक्त निष्ठुरता एवं शोर-शराबा और यह उम्मीद हावी थी कि मोदी सरकार देश में कुछ स्थिरता लाएगी।

एक बार फिर वही समय है। अगर सुब्रमण्यन की मानें तो- और अब तक किसी ने भी उनके वर्किंग पेपर का खंडन नहीं किया- तो विकास के मौजूदा सरकारी आंकड़ों में गड़बड़ी है। इस मिश्रण में यदि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण दुनियाभर में बनी अस्थिरता भी जोड़ लें- और अगर यह युद्ध जारी रहता है, तो न केवल तेल व उर्वरक की कीमतों पर बल्कि भारतभर पर इसका असर पड़ सकता है। निश्चित ही ये समस्याएं भारत द्वारा पैदा नहीं की गयीं। तथ्य यही है कि भारतीयों को इन मुश्किलों से उबरने को मदद की ज़रूरत है। बतौर शुरुआत, आइए हम प्रवासियों को उसी जगह बने रहने को आश्वस्त रखें, जिसको वे अपना घर कहते हैं।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

कभी-कभी, शांत लोग सबसे गहरा प्रभाव छोड़ जाते हैं

एन. रघुरामन

वे 70 वर्ष के रहे होंगे। उस दिन वे एक साधारण-से कैफे में आए। बहुत से लोग उस जगह को इसलिए पसंद करते थे क्योंकि वह एक आकार में स्थित थी, जहां से ग्राहक एक साथ दो सड़कों को देख सकते थे। वे दोपहर 2:30 बजे आए और 4:30 बजे तक वहीं बैठे रहे। मालिक ने इसकी खास परवाह नहीं की, क्योंकि उस समय कम ही ग्राहक आते थे।

उन्होंने मेन्यू का सबसे सस्ता आइटम- एक ब्लैक कॉफी मंगवाई और दो घंटे तक उसी के साथ बैठे रहे। फिर वे रोज उसी समय आने लगे; वे वही ऑर्डर देते और रोज उसी समय जाते। वे न फोन चलाते थे, न किताब पढ़ते थे, बस राह चलते लोगों को देखते थे। चूंकि वे बेघर नहीं लगते थे, इसलिए कैफे मालिक ने उनसे बातचीत की और जाना कि उनका नाम वॉल्टर है और हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी को खोया है। एक महीने की नियमित विजिट्स के बाद एक दिन मालिक ने उन्हें केक का एक टुकड़ा दिया। वॉल्टर ने कहा, मैंने तो यह ऑर्डर नहीं किया था। मालिक ने जवाब दिया, यह हमारी ओर से है। वे चुपचाप बैठे रहे और लोगों को गुजरते हुए देखते रहे। एक दिन उन्होंने कहा, मैं यहां चंद आवाजों के लिए आता हूं- थोड़ी गर्माहट के लिए, अकेला न होने के एहसास के लिए। मालिक उनको लेकर अभ्यस्त हो गए, क्योंकि वे छह महीने तक नियमित रूप से आते रहे थे।

और फिर एक दिन वे नहीं आए। उस दिन मालिक ने पाया कि 2:30 बजे उनकी नजरें बार-बार दरवाजे की ओर चली जा रही थीं। अगले दिन भी वे नहीं आए। फिर एक सप्ताह बीत गया और वॉल्टर का कुछ अता-पता नहीं था। एक महीने बाद, एक प्रौढ़ महिला कैफे में आईं। वे इधर-उधर ऐसे देख रही थीं, मानो कुछ खोज रही हों। उन्होंने काउंटर पर पूछा, क्या आप ही इस कैफे के मालिक हैं? मालिक ने हां कहा। महिला ने कहा, मेरे पिता यहां आया करते थे- वॉल्टर। मालिक का दिल बैठ गया। उन्होंने धीमे से कहा, हां, वे कुछ समय से नहीं आए हैं। महिला ने हल्की उदासी से कहा, उनका पिछले महीने निधन हो गया। ये शब्द कैफे मालिक को गहराई से चुभे, लेकिन उनके मुंह से बस इतना ही निकला- यह सुनकर बहुत दु:ख हुआ। तब महिला ने फीकी मुस्कान के साथ कहा, मेरे पिता इस जगह के बारे में हमेशा बात करते थे। यह उनका दूसरा लिविंग-रूम था।

फिर उन्होंने अपने पर्स से एक लिफाफा निकाला और कहा, उन्होंने यह आपके लिए छोड़ा है। उसे खोलते समय मालिक के हाथ हल्के-से कांप उठे। लिफाफे में एक हस्तलिखित पत्र था। उसमें लिखा था : दयालु कैफे मालिक के नाम, शायद आपको इसका एहसास न हो, लेकिन आपने मुझे कॉफी से कहीं अधिक दिया है। पत्नी के जाने के बाद मेरे दिन बहुत लंबे हो गए थे। मैं अपनी बेटी पर बोझ नहीं बनना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि वह मेरे अकेलेपन को देखे। आपके कैफे ने मुझे अपने जीवन को चलाए रखने का एक कारण दिया। वह अतिरिक्त केक और आपकी अतिरिक्त विनम्रता मेरे लिए किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखती थी। धन्यवाद, कि आपने एक बूढ़े आदमी को उस कोने में बैठने दिया। -वॉल्टर।

लिफाफे में एक छोटा-सा चेक भी था। उसमें बहुत बड़ी राशि नहीं थी, लेकिन वॉल्टर ने अब तक उस कैफे में जितनी रकम खर्च की थी, वह उससे अधिक ही थी। उनकी बेटी ने कहा, यह काइंडनेस-फंड के लिए है। वे चाहते थे कि आप इसे किसी ऐसे व्यक्ति की मदद के लिए इस्तेमाल करें, जिसे शायद बैठने के लिए एक जगह की जरूरत हो। तब कैफे मालिक को आंसू छिपाने के लिए अपना चेहरा दूसरी तरफ करना पड़ा।

महिला के जाने के बाद वे उस मेज तक गए- वॉल्टर की मेज। कुर्सी खाली थी, लेकिन मालिक ने तय किया कि वे उसे खाली नहीं रहने देंगे। उन्होंने वहां एक बोर्ड लगा दिया: यदि आपको बैठने के लिए एक गर्माहट भरी जगह चाहिए, तो आपका यहां स्वागत है। उस दिन के बाद, कभी कोई कॉलेज छात्र वहां बैठकर पढ़ाई करता, कभी कोई विधवा वहां बुनाई करती, या कोई व्यक्ति वहां चुपचाप बैठा रहता। हर बार जब वे किसी को कॉफी देते, तो साथ में वॉल्टर के नाम पर एक केक भी देते।

भीतरी अदालत का न्याय संवारेगा जीवन

डॉ. मधुसुदन शर्मा

सही मायनों में मन की अदालत में हमारा पाक-साफ होना, हमारी आत्मा के परिष्कार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। वास्तव में बाहरी सफलता हमारी उपलब्धि नहीं होती। उपलब्धि यह है कि हमारी कारगुजारियों से हमें खुद शर्मिंदा न होना पड़े।

आए दिन समाज में ऐसी खबरें आती हैं कि धनाढ्य और जीवन में सफल लोगों का व्यक्तिगत जीवन भी अशांत है। वे न केवल शारीरिक रूप से ही अस्वस्थ थे बल्कि मानसिक रूप से भी उतने ही अशांत होते हैं। जीवन में तमाम कामयाबियों व धन-दौलत जुटाने के बाद भी ऐसे लोगों को नींद नहीं आती। हमारी नींद का सीधा रिश्ता हमारे कार्यों की गुणवत्ता और जीवन की सहजता से होता है। मानवीय श्रम भी उसका एक बड़ा कारक है। धारणा बनने लगी है कि आज के गलाकाट स्पर्धा दौर में तुरंत सफलता व संपदा खालिस मेहनत-ईमानदारी से हासिल नहीं होती।

एक व्यापारी को अपने मुनाफे के लिए दिन में सौ बार झूठ बोलना पड़ता है। रात को जब वह बिस्तर में सोने जाता है तो दिनभर के खटकर्म उसे सोने नहीं देते। उसके अंतर्मन की अदालत उसके कृत्यों का हिसाब-किताब मांगती है। व्यक्ति चाहकर भी अपनी दौलत, शोहरत और सुख-सुविधाओं का सुख नहीं भोग पाता है। वास्तव में जिसे हम सफलता मानते हैं वह बाहरी दुनिया का बहलावा मात्र है। जरूरी नहीं कि वह हमें सुख और मानसिक शांति भी दे।

व्यक्ति जब भी कोई अन्याय या शोषण करता है तो उसका अंतर्मन उसे सचेत करता है। उसे अहसास कराता है कि क्या सही है और क्या गलत है। मनुष्य की भीतरी चेतना उसे गलत के प्रति सचेत करती है। अच्छा इंसान व संत तो इसे सुनकर अपनी नीति व कार्यशैली का निर्धारण करता है, लेकिन संवेदना खो चुका व्यक्ति इसे नजरअंदाज कर देता है। सही मायनों में हर व्यक्ति के भीतर यह न्याय व्यवस्था निरंतर चलती रहती है। वैसे तो दुनियावी अदालतें भी न्याय देने का काम करती हैं। न्याय करने वाले गवाहों व सबूतों के साथ तर्क-वितर्कों का सहारा लेकर किसी नतीजे पर पहुंचते हैं। अक्सर वहां साक्ष्यों को अपनी सुविधा के अनुसार ढाला जाता है। हलफनामे भी संदिग्ध हो सकते हैं और दलीलें भी झूठी हो सकती हैं। इस प्रपंच में कई बार न्याय मृगमारीचिका बनकर रह जाता है।

मगर हमारे भीतर चलने वाली मौन अदालत की प्रकृति इस बाहरी व्यवस्था से एकदम भिन्न होती है। हमारे कर्मों का लेखाजोखा हमारे चित्त के पटल पर अंकित हो जाता है। बिना किसी हेरफेर के हमारे कर्मों की चार्जशीट तैयार हो जाती है। मन की अदालत के कटघरे में अभियुक्त भी हम ही होते हैं। हमारे अंतर्मन का विवेक एक चश्मदीद गवाह की तरह मन की अदालत में हमारे कृत्यों की गवाही देता है। न्याय करने के लिए हमारी चेतना न्यायमूर्ति के रूप में न्याय की कुर्सी पर विराजमान होती है। ऐसे में व्यक्ति की बहानेबाजी व चतुर चालाकियां धरी की धरी रह जाती हैं। कभी न कभी व्यक्ति को अपवित्र कृत्यों को लेकर अपराधबोध होता ही है। भले ही मन की अदालत लौकिक दंड जैसी सजा न सुनाए मगर इसके अपराधबोध से व्यक्ति जीवनपर्यंत उबर नहीं पाता। उसे आत्मग्लनि का त्रास झेलना ही पड़ता है। यही कसक उसे रातभर चैन से नहीं सोने देती।

हम अंतर्मन की अदालत में पाक साफ निकलें इसके लिये जरूरी है कि हमारा मन निर्मल हो। जैसे कि सही मायने में एक बच्चे और संत का निष्कपट व निर्मल मन होता है। जो ईर्ष्या, द्वेष, कटुता और चतुराई से मुक्त होता है। एक सच्चा साधक भी निर्मल मन से ईश्वर की साधना कर पाता है, जिसके लिए सदियों से साधु-संत पूजा-पाठ, सत्संग, स्वाध्याय, ध्यान व साधना आदि का सहारा लेते हैं। ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग निर्मल मन से होकर जाता है। इस निर्मलता का अहसास हमें हमारे तीर्थों व शक्तिपीठों में गहरे तक होता है।

निर्मल मन का व्यक्ति वह होता है जो दुनियावी मोह-माया व चतुर-चालाकियों के प्रति निरपेक्ष रहकर दुनिया को साक्षी भाव से देखता है। यही निर्लिप्तता उसके अंतर्मन को निर्मल रखती है। योगशास्त्र में वर्णित यम-नियम का उपयोग इसी राह में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। अष्टांग योग में वर्णित पांच यम—सत्य, अहिंसा अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह तथा पांच नियम—शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान जीवन की निर्मलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। व्यक्ति के अंत:करण की शुद्धि का कार्य करते हैं।

सवाल उठता है कि दुनियावी दौड़भाग में लगे एक सामान्य आदमी के लिए अपने मन को बेदाग रखने का सरल मार्ग क्या हो सकता है? सही मायनों में सहजता और निश्छलता से जीना ही वह मार्ग है, जो हमें मन की अदालत में निर्दोष साबित कर सकता है। हम देश-काल परिस्थितियों में व मानवीय दुर्बलताओं के चलते पथ से भटक सकते हैं। लेकिन हम में अपराधों को स्वीकार करने का माद्दा होना चाहिए। इससे बचने की दलीलें हमारे मन को कलुषित कर सकती हैं। जिसके लिए हमें अपने दिन-भर के कृत्यों को लेकर आत्ममंथन करना भी जरूरी है।

सही मायनों में मन की अदालत में हमारा पाक-साफ होना, हमारी आत्मा के परिष्कार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। वास्तव में बाहरी सफलता हमारी उपलब्धि नहीं होती। उपलब्धि यह है कि हमारी कारगुजारियों से हमें खुद शर्मिंदा न होना पड़े।

लोकसभा में 816 सीट होंगी चुनाव आयोग का परिसीमन का फैसला

अजय दीक्षित

2011 की जनगणना के आधार लोकसभा, राज्यसभा, राज्यों की विधानसभा की सीट का होगा परिसीमन केंद्रीय चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है और संसद से बिल पारित करने का अनुरोध किया है। इस आशय की प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय बिल तैयार करने में लगा है। संभवत: केंद्र सरकार 29 अप्रैल के 05 राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद परिसीमन आयोग और महिला आरक्षण संबंधी विधेयक संसद के समक्ष प्रस्तुत करे । परिसीमन आयोग की सिफऱ़शे मिलने के बाद संभवत: लोकसभा में 816 और उसके अनुसार ही राज्यसभा और राज्य विधानसभा सीटों में परिवर्तन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार 2027 के जनगणना के आधार पर पूर्व में परिसीमन कर ना चाहती थी लेकिन आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु,केरल, कर्नाटक पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री की अपत्ति के बाद 2011 की जनगणना को आधार मानकर परिसीमन का निर्णय लिया है । उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान,दिल्ली,बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र,पश्चिमी बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश,असम, झारखंड,में अच्छी खासी सीट की बढ़ोत्तरी हो सकती है। क्योंकि इन राज्यों जनसंख्या की बढने की गति अधिक है। कुल लोकसभा में 271 सीट बढ़ रही हैं।

इसी आधार पर राज्यों की विधानसभा सीटों बढ़ेगी। बताया जा रहा है कि बिहार और उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या काफी बढ़ सकती है। दोनों राज्यों जनसंख्या अधिक है। इसी प्रकार महाराष्ट्र और दिल्ली तीसरे चौथे स्थान पर है।

लोकसभा परिसीमन में सीटों की प्राकृति भी बदल सकती है

अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए आरक्षित सीट बढ़ सकती हैं और बदल भी सकती हैं। प्रत्येक वर्ग की तीस फीसदी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यही स्थिति राज्य विधानसभा सीटों में लागू होगी। लोकसभा सीट में अंतिम बार बढ़ोत्तरी 1967 में की गई थी तत्कालीन समय से सीटें 489 से 545 की गई थी। 542 सीट पर चुनाव होते थे और एक सीट इंग्लोइंडियन के लिए आरक्षित थी जबकि 2 पर राष्ट्रपति द्वारा मनोनयन किया जाता था। अब 816 सीट होंगी । परिसीमन का अर्थ होता है पत्तो के राजनीतिक रूप से फेंटना या कहे कि किसी लोकसभा,या विधानसभा क्षेत्र में जातियों का संयोजन करना है।

मोटे तौर पर देखा जाय तो उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा और 403 विधानसभा क्षेत्र है। तथा जिला जैसे 50 है तो जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक जिले में एक सीट बढ़ रही है इसका मतलब है 500 सदस्यता वाली विधानसभा बनी तो एक लोकसभा 05 विधानसभा क्षेत्र किए कुल लोकसभा सीटों संख्या 100 होशकती है।यह अनुमान है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सेल सीएमडी सिंह का सम्मान किया मिश्र ने

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल)के निदेशक (कार्मिक) के.के.सिंह ने 2 अप्रैल को अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी)का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया इस खास अवसर पर इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड,सेक्टर-6 के अध्यक्ष और श्रमिक नेता बृज बिहारी मिश्र भी नई दिल्ली लोधी रोड स्थित सेल मुख्यालय पहुंच कर उन्हें शुभकामनाएं दी। मिश्र ने श्री सिंह को पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर अपनी ओर से सम्मान और शुभकामनाएं व्यक्त कीं। श्री मिश्र ने कहा कि यह अवसर न केवल उनके लिए,बल्कि समस्त संगठन के लिए गर्व और विश्वास का प्रतीक था। सभा का वातावरण उत्साह,सम्मान और अपेक्षाओं से भरा हुआ था। हर चेहरे पर यह विश्वास झलक रहा था कि श्री सिंह का अनुभव और नेतृत्व क्षमता सेल को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। उनके व्यक्तित्व में एक सहज दृढ़ता और कर्मठता की झलक स्पष्ट दिखाई देती है,जो इस नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें पूर्णत: उपयुक्त बनाती है।

निगम की अपील,अप्रैल में टैक्स जमा करें, नहीं लगेगी पेनाल्टी

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग ।नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर (प्रॉपर्टी टैक्स) जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 30 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। यह निर्णय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि अधिक से अधिक करदाता समय पर कर जमा कर शासकीय छूट का लाभ प्राप्त कर सकें। अप्रैल माह के अंत तक संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं से किसी भी प्रकार की पेनाल्टी नहीं ली जाएगी। वहीं, 1 मई 2026 के बाद पिछले वर्ष का संपत्तिकर जमा करने पर 17 प्रतिशत तक सरचार्ज वसूला जाएगा। वर्तमान में अंतिम तिथि तक केवल 25 दिन शेष हैं। निगम प्रशासन द्वारा करदाताओं से अपील की गई है कि वे समय रहते अपना बकाया कर जमा कर छूट का लाभ उठाएं एवं अतिरिक्त शुल्क से बचें। राजस्व विभाग को निर्देशित किया गया है कि आगामी दिनों में घर-घर जाकर बकायादारों से वसूली की जाए तथा नागरिकों को ऑनलाइन टैक्स भुगतान के लिए भी प्रेरित किया जाए। साथ ही, आयुक्त द्वारा राजस्व अमले को निर्देश दिए गए हैं कि वसूली के दौरान टीम अपनी गतिविधियों की फोटो व्हाट्सएप पर अपडेट करें, ताकि कार्य की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके। शनिवार-रविवार अवकाश के बावजूद बड़ी संख्या में नागरिकों का निगम कार्यालय पहुंचकर टैक्स जमा करना, शहरवासियों की जागरूकता और सहयोग को दर्शाता है। निगम प्रशासन समस्त करदाताओं से अपील करता है कि वे 30 अप्रैल 2026 से पूर्व अपना संपत्तिकर जमा कर शासकीय छूट का लाभ प्राप्त करें तथा किसी भी प्रकार की पेनाल्टी या दंडात्मक कार्यवाही से बचें।

कुर्मी क्षत्रिय समाज का रहा है गौरवशाली अतीत - विजय शर्मा

- कुर्मी भवन जामगांव (एम) में डोम शेड और मंच बनाने की घोषणा की
- तर्रा में सामाजिक भवन हेतु 12 लाख की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम जामगांव (एम) में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज के 56 वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर भी अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का गौरवशाली अतीत रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे इस समाज के पुरोधाओं ने देश को दिशा दिखाई है। समाज के सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए ऐसे अधिवेशन होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मैं अपने आप को कुर्मी समाज के बीच पाकर कृतज्ञ हुआ हूं।

अधिवेशन में समाज की महिलाओं की बड़ी सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं की प्रतिभा को स्थान व सम्मान दिलाने देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के मंशा के अनुरूप विधानसभा एवं लोकसभा तथा अन्य सभी जगह महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने आगामी 16, 17 एवं 18 तारीख को संसद का विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बस्तर सहित छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त राज्य बनाने का श्रेय जवानों को देते हुए बस्तर में शांति स्थापना में शासन के संकल्प से सिद्धि तक के सफर को साझा किया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने समाज के उन्नत कृषक श्रीमती पूजा चंद्राकर, सफल व्यवसायी विनोद चंद्राकर और कलाकार पप्पू चंद्राकर को साल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने समाज की मांग पर सामाजिक भवन जामगांव (एम) में डोम शेड और मंच निर्माण तथा ग्राम तर्रा में कुर्मी सामाजिक भवन हेतु 12 लाख रूपए की घोषणा की।

कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा और संगठन दोनों आवश्यक है। संगठित प्रयास से हर कार्य संभव होता है। वहीं समाजिक जागरूकता के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने समाज के विकास के लिए माताओं एवं बहनों को आगे आने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से शीतल की शिक्षा को मिला संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केबिनेट मंत्री एवं तत्कालीन दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव की संवेदनशील पहल से वार्ड क्रमांक 15 सिकोला बस्ती निवासी धर्मेंद्र टंडन की सुपुत्री शीतल टंडन की शिक्षा को नया संबल मिला। आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई बीच में छूटने की स्थिति में पहुंच चुकी शीतल को मंत्री गजेन्द्र यादव ने तत्काल सहयोग प्रदान करते हुए खालसा पब्लिक स्कूल में प्रवेश दिलाया। उनकी इस मानवीय पहल का परिणाम है कि शीतल ने कक्षा 11वीं (आर्ट्स संकाय) में 90 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है।

शीतल के पिता धर्मेंद्र टंडन एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि माता प्रीति टंडन गृहणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण 10वीं के बाद शीतल की आगे की पढ़ाई संकट में पड़ गई थी। ऐसे

कठिन समय में परिजनों ने मंत्री गजेन्द्र यादव से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बेटी की शिक्षा जारी रखने में सहयोग की अपील की थी।

मंत्री यादव ने तत्परता दिखाते हुए शीतल का खालसा पब्लिक स्कूल में प्रवेश कराया, जिससे उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने का अवसर मिला। शीतल ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन किया और कक्षा 11वीं के परीक्षा परिणाम में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

आज गंजपारा स्थित कार्यालय में मंत्री गजेन्द्र यादव ने शीतल टंडन को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता होती है सही मार्गदर्शन और अवसर की। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र-छात्रा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

चार करोड़ की लागत से पाटन में बनेगा एसटीपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत नगर पंचायत पाटन को बड़ी सौगात मिली है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की 11वीं बैठक में लिए गए निर्णय तथा राज्य शासन के पूर्व आदेश के अनुक्रम में अनुपचारित जल प्रबंधन घटक के तहत पाटन के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।

एसटीपी घरों, उद्योगों और शहरों से निकलने वाले गंदे पानी (सीवेज) को साफ करने वाली एक प्रणाली है। यह हानिकारक प्रदूषकों, बैक्टीरिया और रसायनों को हटाकर पानी को पर्यावरण में छोड़ने या पुन: उपयोग (बागवानी, टॉयलेट फ्लशिंग) के योग्य बनाती है। यह नदियां और तालाब को प्रदूषण से बचाती है। योजना के तहत इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन ड्रेन सहित एसटीपी का निर्माण किया जाएगा तथा आगामी 5 वर्षों तक इसके संचालन एवं संधारण का कार्य भी किया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए 4 करोड़ 23 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले और पार्षदों ने खुशी जताई।

ईद मिलन में दिखी भाईचारे की मिसाल, शामिल हुए सर्व धर्म प्रतिनिधि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, भिलाई की ओर से एक भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन 4 अप्रैल शनिवार को जुनवानी रोड स्थित गैलेक्सी बैंक्वेट हॉल में किया गया। आयोजन का मकसद ईद के पावन अवसर पर विभिन्न समुदायों के बीच आपसी भाईचारे, संवाद और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

प्रमुख रूप से गायत्री परिवार, कैथोलिक चर्च सेक्टर-6 भिलाई, गुरुद्वारा नेहरू नगर, बौद्ध आश्रम सेक्टर-6, सतनाम भवन सेक्टर-6 सहित विभिन्न नागरिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में बढ़ती दूरियों और गलतफहमियों को समाप्त करने के लिए संवाद और आपसी मेल-जोल अत्यंत आवश्यक है। ईद जैसे पावन पर्व हमें प्रेम, करुणा और एकता का संदेश देते हैं, जिसे समाज में व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता है।

आयोजन को गुरुद्वारा नानकसर के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी प्रवीण सिंह, भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष शीलरतन, पेरिश प्रीस्ट कैथोलिक चर्च सेक्टर-6 के रेव्हेरेंट फादर साबू जोसेफ, सतनाम भवन सेक्टर-6 के प्रेसिडेंट बीएल कुर्रे और गायत्री परिवार के सब जोन कोऑर्डिनेटर एसपी सिंह ने संबोधित किया।

जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द ने इस अवसर पर पुन: अपने संकल्प को दोहराया कि वह समाज में नफरत और भेदभाव को समाप्त करने तथा विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द और एकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर एक समरस और एकजुट समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

बुजुर्गों का आशीर्वाद हमारी अमूल्य धरोहरः बर्मन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बी.एस पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से बुजुर्गों की सेवा की पहल पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम में की गई। जिसमें उक्त वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों को फल और दूसरे जरूरी सामान दिए गए। इस अवसर पर प्राचार्य रूबी रॉय बर्मन ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा एक सुअवसर है और उनका आशीर्वाद हमारी अमूल्य धरोहर है।

हमें जितना हो सके उसे उतना ही पाने का प्रयास करना चाहिए। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम बुजुर्गों के सम्मान में प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ व्याख्याता

लक्ष्मीनारायण दुबे ने भजन ऐसा प्यार बहा दे मैया सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया। अल्वा वैद्य ने गीत तू प्यार का सागर है प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक डॉ शीतल चंद्र शर्मा ने वृद्धों के बारे में शास्त्र परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति बड़ों का अभिवादन करता है उसके आयु, दिया यश और बल में वृद्धि होती हो अत: हमें प्रत्येक अवसर पर बुर्जुगों की सेवा करनी चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ व्याख्याता एवं उप प्रबंधक लक्ष्मी नारायण दुबे ने किया। संचालन डॉ. शीतल चंद शर्मा ने किया। विद्यालय परिवार से आरके वर्मा, यशवंत कुमार चावड़ा, जयदेव दीक्षित, बी. पद्मा और श्री देवी दुर्गे उपस्थित थे।

श्री साईं नाथ जन सेवा समिति ने गर्मी में ट्रेन के यात्रियों को ठंडा पानी वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए श्री साईं नाथ जन सेवा समिति द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के सामान्य कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों को ठंडे पानी की बोतलों का वितरण किया गया।

समिति के अध्यक्ष जी. माधव राव ने बताया कि गर्मी के मौसम में सामान्य डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा यह सेवा कार्य किया गया ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्वयं

उपस्थित रहकर यात्रियों को ठंडा पानी की बोतलें वितरित की तथा सभी से गर्मी में स्वास्थ्य का ध्यान रखने और अधिक से अधिक पानी पीने की अपील भी की। और साथ ही अन्य सामाजिक समितियों से अपील किया गया कि आप सब भी मानवता का मिसाल कायम करते हुए इस गर्मी के मौसम में अपने नजदीकी रेलवे स्टेशन में जाकर यात्रियों को ठंडा पानी वितरण करे। क्योंकि जितना ज्यादा समितियां इस कार्य को करेंगे उतना सहयोग ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को मिल पायेगा। इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से के कामेश्वरी, डॉ. के चिरंजीवतु, के उमाशंकर राव, एम पापराव, के. गणपति, दुर्योधन राव, सीएच अप्पलस्वामी, जी माधव राव, जे डी खान, श्रीनू चरोदा, जी जगन्नाथ राव, के कृष्ण मूर्ति, कृष्णा मूर्ति, बबलू, आर बालराजू और यू अनिल कुमार आदि की विशेष उपस्थिति रही। यात्रियों ने समिति के इस प्रयास की सराहना की और धन्यवाद व्यक्त किया। समिति ने आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य करते रहने का संकल्प लिया। और प्रत्येक रविवार को रेलवे स्टेशन ठंडा पानी वितरण किया जायेगा।

भागवत कथा मनुष्य को जीवन को जीने की कला सिखाती हैः पं. मनोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्राम बरगाही में जारी श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा में पंडित मनोज शर्मा ने कहा सांसारिक चिंता छोड़ भगवत चिंतन का आश्रय लेना चाहिए। साधक को सद्गुरु भगवान शुकदेव की भागवत कथा आज भी जनमानस को भगवत दर्शन कराए रहा है। भगवत्गति कराना ही भगवत कथा का मूल उद्देश्य है। जब तक शरीर में चेतना है, भगवत रस का पान करते रहो।

भागवत कथा में विभिन्न कथा प्रसंगों के माध्यम से ज्ञान, भक्ति, वैराग्य मनुष्य को प्राप्त होता है, क्योंकि मनुष्य के पास जीवन तो है परंतु जीवन जीने की कला नहीं है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन को जीना सिखाती है। पं. मनोज ने बताया कि जीवन में जब-जब देहाभिमान अहंकार जगता है, ईश्वर सबल हो जाता है और जब साधक के जीवन में सत्य, प्रेम, भक्ति, करुणा का भाव जगता हैं तो वहीं ईश्वर बालक बनकर कोशिल्या, देवकी, मैया यशोदा के गोद में आकर परम सुख प्रदान करते हैं।

लोक कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने लीला की श्रीकृष्ण लीला पुरुषोत्तम है। लोक कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने लीला किया। इस कलिकाल में अविद्या ग्रस्त मनुष्य जीवन निरस हो गया है। भागवत कथा मानव जीवन को मधुर व सरस बनाता है मानव जन्म को सार्थक बनाता है। दान की महिमा बतलाते हुए पं. शर्मा ने कहा जब तक सत्कर्म में दीनता भाव न जगे, सत्कर्म फलित नहीं होता। सुदामा ने भगवान श्रीकृष्ण को चार मुठ्ठी चांवल देकर जीवन संवार लिया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

कल कवर्धा के 516 राशन दुकानों में मनाया जाएगा 'चावल उत्सव'

कवर्धा। खाद्य विभाग द्वारा जिले में आगामी 7 अप्रैल को 'चावल उत्सव' के आयोजन की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की सभी 516 उचित मूल्य की राशन दुकानों में इस दिन एक साथ खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। 'चावल उत्सव' के दौरान सतर्कता समिति के सदस्यों, जन प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति मे खाद्यान्न वितरण का कार्य संपन्न किया जावेगा। साथ ही आम हितग्राहियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। आयोजन का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना और हितग्राहियों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। प्रशासन ने सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने नजदीकी राशन दुकानों में पहुंचकर खाद्यान्न प्राप्त करें और इस उत्सव का हिस्सा बनें।

जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए राज्य सरकार दे चुकी है 3000 करोड़ का अग्रिम राज्यांश

रायपुर। जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही राज्यांश की 3000 करोड़ रुपए की पूरी राशि अग्रिम के रूप में दे दी गई थी, जिसे उस वित्तीय वर्ष के दौरान मिशन के कार्यों के लिए व्यय किया गया था। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नई दिल्ली द्वारा 536 करोड़ 53 लाख रुपए प्रतिपूर्ति के रूप में जारी किए गए हैं। ज्ञातव्य है कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया है, जिसके तहत अब मिशन 2.0 के तहत काम जारी है द्य राज्य के ग्रामीण परिवारों को 'हर घर नल से जल' योजना के तहत पाइप के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने कार्य किए जा रहे हैं।

कौशल विकास सामुदायिक केन्द्र युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार परक कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

वन मंत्री कश्यप ने कन्या छात्रावास और सामुदायिक भवन सहित करोड़ों के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप अपने एक दिवसीय प्रवास पर सुकमा पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने जिले में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। मंत्री श्री कश्यप ने सर्वप्रथम सुकमा के वार्ड क्रमांक 03 पुसामीपारा में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित कौशल विकास सामुदायिक केंद्र भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री कश्यप ने एक करोड़ 62 लाख रूपए की लागत से निर्मित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास झापरा का लोकार्पण किया। छात्रावास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा छात्राओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि वर्तमान शासनकाल में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने बताया कि वर्षों से बंद पड़े राम मंदिर केरलापेंदा को पुन: ग्रामीणों के लिए खोला गया और हनुमान जयंती के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन कर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त किया गया।

वन मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माण से लेकर आज नक्सलवाद के समापन की दिशा में सरकार ने निरंतर निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हुआ यह छात्रावास विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए अब 2026 में पूर्ण होकर बच्चों के लिए समर्पित किया गया है, जो शासन की प्रतिबद्धता और कार्य पूर्ण करने की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

मंत्री श्री कश्यप ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी बच्चे देश और समाज का भविष्य हैं। शिक्षा ही सफलता का सबसे बड़ा माध्यम है। पढ़-लिखकर अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन करें तथा अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार विषय चुनकर आगे बढ़ें।

सुकमा में आम जनता तक पहुंचा विकास

जिले के प्रभारी मंत्री ने कहा कि पहले और आज के सुकमा में बड़ा बदलाव आया है। अब विकास कार्यों का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माताओं-बहनों को आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे सशक्त हो रही हैं। वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'लखपति दीदी' जैसी पहल सरकार द्वारा लागू की गई है, जो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इसके साथ ही वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे ने भी ग्रामीणों को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में महिला आयोग सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माड़े बारसे, जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, अरुण सिंह भदौरिया, जनपद अध्यक्ष कोंटा श्रीमती कुसुमलता कोवासी, नगरपालिका अध्यक्ष सुकमा हुंगाराम मरकाम, नगर पंचायत दोरनापाल अध्यक्ष श्रीमती राधा नायक तथा अन्य जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सर्व यादव समाज की कार्यकारिणी को उद्योग मंत्री ने दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। बालकोनगर के न्यू शांति नगर स्थित राधाकृष्ण मंदिर परिसर में सर्व यादव समाज के नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कोरबा विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन, चंद्रपुर के विधायक रामकुमार यादव, महापौर संजू देवी राजपूत की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन एवं सभी अन्य अतिथियों ने राधा कृष्ण मंदिर में पूजा अर्चना की।

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि एवं कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि यादव समाज आज एकजुटता की नई मिशाल पेश कर रहा है। अलग-अलग क्षेत्र के सभी यादव समाज के भाइयों एवं बहनें मिलकर समाज की उन्नति एवं प्रगति हेतु कार्य कर रहे हैं। समाज की पहचान सच्चे सरल एवं सहजता के तौर पर जानी जाती है।

मंत्री श्री देवांगन ने जय यादव- जय माधव का उद्घोष करते हुए सभी नवीन पदाधिकरियों को नवीन दायित्व की शपथ दिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा यादव समाज का स्नेह और आशीर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता रहा है। समाज की मांग पर कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत चार स्थानों पर विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृत कराकर कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है।

इसमें वार्ड क्रमांक 13 स्थित रामकृष्ण मंदिर में यादव समाज की मांग पर ऊपरी तल का निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड क्रमांक 54 जमनीपाली में सामुदायिक भवन लागत 10 लाख, वार्ड क्रमांक 67 बलगी दशहरा मैदान में सामुदायिक भवन निर्माण लागत 10 लाख, वार्ड क्रमांक 39 बालकों के राधा कृष्ण मंदिर में ऊपरी तल का निर्माण कार्य 10 लाख का कार्य पूर्णता की ओर है, आप सभी की उपस्थिति में बहुत जल्द कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, संरक्षक कमलेश यादव, अनूप यादव नाथू यादव केदार यादव हीरालाल यादव, राम रतन यादव, चंद्रमणि यादव, सुखीराम यादव, कमल नारायण यादव, शिवलाल यादव, रामायण यादव, सतीश यादव, विनोद यादव, सत्यनारायण यादव, सुखीराम यादव, शिवलाल यादव, रामायण यादव, सतीश यादव विनोद यादव, रमेश यादव, शारदा यादव, अजय यादव, पुरुषोत्तम यादव, बुधवार यादव, भोजपुर जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद मंगल बंदे, अनिल यादव, उत्तम देवांगन सहित अधिक संख्या में समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

पीएम आवास से साकार हुआ कांति का अपना सपने का मजबूत आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। हर व्यक्ति के मन मे एक पक्का आवास का सपना रहता जिसमे वह सुकून की नींद ले सके. मुंगेली विकासखंड के ग्राम पचौटिया की निवासी कांति के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

वर्षों से पक्के घर का सपना देख रही कांति के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं रही। पहले कांति अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवास करती थीं, जहां हर मौसम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, गर्मी में अत्यधिक गर्मी और सर्दी में ठंड से जूझना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। ऐसे में सुरक्षित और मजबूत घर की आवश्यकता लगातार महसूस होती थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का मकान स्वीकृत हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने सपनों का घर तैयार किया। अब कांति और उनका परिवार पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कांति बताती हैं कि अब उन्हें मौसम की मार का सामना नहीं करना पड़ता और घर की सुरक्षा से उन्हें मानसिक शांति मिली है। उनके बच्चों को भी पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिल रहा है, जिससे उनके भविष्य की नींव मजबूत हो रही है।

उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में खुशियां लेकर आई है और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला है।

बस्तर राइडर्स मीट : पर्यटन रोमांच से मिली नई पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की धरती एक बार फिर रोमांच, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आई, जब बस्तर राइडर्स मीट 2026 का भव्य आयोजन गरुड़ा राइडर क्लब के तत्वावधान में किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए बाइकर्स और एडवेंचर प्रेमियों ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

इस आयोजन में बाइक स्टंट्स, राइडिंग शो और एडवेंचर एक्टिविटीज ने युवाओं में जबरदस्त उत्साह भर दिया। राइडर्स ने अपनी बेहतरीन स्किल्स का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

जहां एक ओर एडवेंचर का जोश था, वहीं दूसरी ओर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी पूरे शबाब पर दिखी। लोकनृत्य,

संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन आधुनिकता और परंपरा का बेहतरीन संगम बनकर उभरा।

कार्यक्रम में उन प्रभावशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने बस्तर की पहचान को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसमें इन्फ्लुएंसर्स, कलाकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा होटल एम्बिशन में विशेष स्टॉल लगाया गया, जहां बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों की जानकारी दी गई।

यह पहल राज्य सरकार की उस सोच को दर्शाती है, जिसके तहत स्थानीय पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार लगातार बस्तर जैसे आदिवासी अंचलों को विकास और पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। इस प्रकार के आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार और अवसर भी प्रदान करते हैं।

सरकार की योजनाओं और पर्यटन मंडल की सक्रिय भागीदारी से बस्तर आज एक उभरते पर्यटन एवं एडवेंचर हब के रूप में सामने आ रहा है।

बस्तर अब केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि एडवेंचर और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए भी तेजी से उभर रहा है।

तेलंगाना पर अब भी छत्तीसगढ़ का 2000 करोड़ बकाया

- **सात साल से पेंडिग है भुगतान, 3600 करोड़ में से 1600 करोड़ ही अब तक मिले**

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 2,000 करोड़ रुपये के बकाया बिजली बिल को लेकर चल रहे विवाद में अब तेलंगाना ने बैठक स्थल को लेकर पेंच फंसा दिया है। सात साल पुराने वित्तीय गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों राज्य बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन यह तय नहीं हो पा रहा कि वार्ता रायपुर में होगी या हैदराबाद में।

बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में राज्य बिजली कंपनी ने तेलंगाना सरकार से 1,000 मेगावाट बिजली आपूर्ति का समझौता किया था। प्रारंभ में

बिल का भुगतान किया गया, लेकिन बाद में तेलंगाना ने भुगतान करना बंद कर दिया।

2,000 करोड़ रुपये अब भी बकाया

बकाया राशि धीरे-धीरे 3,600 करोड़ तक पहुंच गई। हालांकि, तेलंगाना सरकार ने किश्तों में 1,600 करोड़ का भुगतान किया, बावजूद 2,000 करोड़ रुपये अब भी बकाया है। तेलंगाना सरकार इस बकाया को मानने से इन्कार कर रही है। भुगतान नहीं होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ ने बिजली आपूर्ति पहले ही रोक दी है।

सरकार बदलने के बाद भ्रष्टाचार का आरोप

भ्रष्टाचार के आरोपों का साया मामला केवल वित्तीय नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। तेलंगाना की वर्तमान रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्ववर्ती केसीआर सरकार पर छत्तीसगढ़ से महंगी दर पर बिजली खरीदने और 1,300 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। न्यायिक आयोग मामले की जांच कर रहा है।

कानूनी विकल्पों पर विचार

करीब 2,000 करोड़ के बकाया बिल को लेकर तेलंगाना सरकार के अधिकारी पहले रायपुर बैठक करने सहमत थे, लेकिन अब हैदराबाद में बैठक करना चाह रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि दोनों राज्यों के बीच चर्चा रायपुर में हो। कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

-भीम सिंह कंवर, एमडी
राज्य बिजली वितरण कंपनी

समय पर उपचार से सुकमा के चिकित्सकों ने बचाया जीवन

- **जिला अस्पताल में मौत के मुंह से लौटाई महिला की सांसें**

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुकमा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा की तत्परता और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। सिविल सर्जन डॉ. एमआर कश्यप से प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदगढ़ विकासखंड के कुन्ना निवासी 38 वर्षीय श्रीमती पाली कवासी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया।

देरी से अस्पताल पहुंचने के कारण स्थिति अत्यंत जोखिमपूर्ण थी और तत्काल सर्जरी आवश्यक हो गई। अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुजा ने बिना समय गंवाए तुरंत एलएससीएस (सीजर) ऑपरेशन कर मरीज का उपचार प्रारंभ किया। हालांकि ऑपरेशन के दौरान मृत बच्चा पैदा

होने से महिला की स्थिति और अधिक जटिल हो गई।

महिला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान महिला का श्वास बंद सा हो गया, साथ ही नाड़ी और हृदय की धड़कन भी थम सी गई।

ऐसे संकट की घड़ी में जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने त्वरित निर्णय लेते हुए महिला को दो बार सीपीआर दिया और तत्काल वार्ड में शिफ्ट कर आधुनिक वेंटीलेटर की सहायता से उपचार शुरू किया गया। इसके बाद महिला को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया।

डॉक्टरों की सतर्कता और उपलब्ध संसाधनों के कारण महिला की जान बचा ली गई। आज श्रीमती पाली कवासी पूरी तरह स्वस्थ हैं और जिला अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ के प्रयासों की सराहना कर रही हैं।

संस्थागत डिलीवरी : सरायपाली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तीसरा सफल सिजेरियन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महासमुंद जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। संस्थागत प्रसव का लाभ मिलने से यहां जच्चा-बच्चा सुरक्षा बेहतर हुई है।

यहां चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक तीसरा सिजेरियन (सी-सेक्शन) ऑपरेशन करते हुए 26 वर्षीय महिला नरगिस का सुरक्षित प्रसव कराया, जिसमें उन्होंने 3.2 किलोग्राम वजनी स्वस्थ शिशु को जन्म दिया।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव ने इस सफलता पर चिकित्सा दल को बधाई देते हुए कहा कि राज्य शासन की प्राथमिकता सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना एवं आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सरायपाली सीएचसी इस दिशा में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

इस जटिल ऑपरेशन को डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. के. वी. किरण कुमार, डॉ. कुणाल नायक, स्टाफ नर्स प्रगति शर्मा एवं समीर पटेल की टीम ने कुशलतापूर्वक संपन्न किया। यह सफलता स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग और विशेषज्ञता को दर्शाती है। प्रसव के पश्चात जच्चा एवं शिशु दोनों स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में सुरक्षित हैं। सरायपाली सीएचसी में मिल रही सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से क्षेत्रीय नागरिकों में संतोष और विश्वास बढ़ा है।

तिथि बढ़ी, अग्निवीर आवेदन अब 10 अप्रैल तक

सारंगढ़ बिलाईगढ़। भारतीय थल सेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अविवाहित उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर सैनिक के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन आमंत्रित की गई है। भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार अब 10 अप्रैल 2026 तक थलसेना के वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन व आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। अग्निवीर सैनिक भर्ती अंतर्गत जनरल ड्यूटी तकनीकी, ऑफिस असिस्टेंट, ट्रेडमैन, महिला सैन्य पुलिस एवं नियमित कैडर भर्ती, धर्म गुरू, नर्सिंग सहयोगी तथा हवलदार एसएसी के पदों भर्ती की जाएगी। आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता किसी भी मान्यता प्राप्त केन्द्रीय व राज्यकीय शिक्षा बोर्ड व संस्था से कक्षा 8वीं, 10वीं या 12वीं, आटीआई, इंजीनियरिंग डिप्लोमा उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार की ऊंचाई, वजन, सीना विभिन्न पदों हेत अलग-अलग है।

अवैध खनन के मामले में जेसीबी हाईवा सहित 5 वाहन किए जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बेमेतरा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा तहसील थान खमरिया अंतर्गत ग्राम कुरदा एवं जेवरा में अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन, 2 हाईवा वाहन तथा ईंट से भरा 1 स्वराज माजदा वाहन जब्त किया गया। इन वाहनों को थाना थान खमरिया में रखा गया है।

इसके अतिरिक्त अवैध परिवहन के एक अन्य प्रकरण में रेत से भरा 1 हाईवा वाहन भी जब्त कर थाना बेरला में सुरक्षित रखा गया है, जिस पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों भी प्रशासन द्वारा गिट्टी से भरी 2 हाईवा गाड़ियां जब्त कर थाना बेरला में खड़ी कराई गई थीं, जिन पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा आम नागरिकों से भी ऐसी गतिविधियों की सूचना देने की अपील की गई है।

दिशा पाटनी का रैंप वॉक करते वीडियो हुआ वायरल

इस बात को लेकर फैंस ने कर दिया ट्रोल

दिशा पाटनी का रैंप वॉक करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कई फैंस ने दिशा की तारीफ की है, तो वहीं कई यूजर्स ने दिशा को ट्रोल किया है। दिशा पाटनी अपनी फिटनेस और अपनी जबरदस्त स्टाइल के लिए सुर्खियों में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरत फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

हाल ही में उन्होंने एक क्लोथिंग ब्रांड के लिए रैंप वॉक किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ यूजर्स को दिशा पाटनी का स्टाइल अच्छा लगा, तो वहीं कुछ यूजर्स ने उन्हें उनके लुक के लिए ट्रोल किया।

वायरल वीडियो में क्या है?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दिशा पाटनी ब्लैक पैंट और टीशर्ट में रैंप वॉक कर रही हैं। उन्होंने अपने बाल खुले छोड़े हैं। उनकी कमर की चेन फैंस का ध्यान खींच रही है। कई यूजर्स ने दिशा के इस लुक की काफी तारीफ की है। कई यूजर्स को दिशा का ये स्टाइल पसंद नहीं आया है।

फैंस को शानदार लगीं दिशा

दिशा पाटनी की रैंप वॉक पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'बहुत खूबसूरत लग रही हो।' एक और यूजर ने लिखा है 'कयामत से कयामत तक'। एक यूजर ने उन्हें क्यूट प्रेटी कहा है।

यूजर्स को पसंद नहीं आया दिशा का स्टाइल

कुछ यूजर्स को दिशा पाटनी की रैंप वॉक पसंद नहीं आई है। एक यूजर ने लिखा 'रैंप वॉक करना नहीं आ रहा।' एक दूसरे यूजर को दिशा का स्टाइल पसंद नहीं आया। उन्होंने लिखा 'पुराना फैशन है'। एक और यूजर ने लिखा 'गलत दिशा में चली गई ये लड़की।'

दिशा पाटनी का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि दिशा पाटनी जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ कई बड़े कलाकार होंगे। वह 'आवारापन 2' का भी हिस्सा होंगी। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी होंगे। यह 'आवारापन' (2007) का सीक्वल है।

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर की रिलीज तारीख जारी

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर का आधिकारिक ऐलान 2025 में किया गया था। पूरे साल दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री इंतजार करते रहे, जो 2026 में जाकर खत्म होने वाला है। अभिनेता के प्रोडक्शन कम्पा फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख बता दी गई है। खुद राजकुमार ने सोशल मीडिया पर अनाउंसमेंट वीडियो साझा किया है, जिसमें वह मजेदार तरीके से फिल्म की रिलीज तारीख, कलाकार और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी दे रहे हैं।

नेटफ्लिक्स पर आने वाली फिल्म के अनाउंसमेंट वीडियो में, राजकुमार को टोस्टर पर ब्रेड सेंकते दिखाया जाता है। जब एक शख्स उन्हें फिल्म अनाउंसमेंट के लिए मोनोलॉग देता है, तो वह कहते हैं, फिर से मोनोलॉग? अरे मैं थक गया हूं। इस बार मैं साफ-साफ लोगों को बताऊंगा कि हमारी फिल्म का नाम टोस्टर है और यह 15 अप्रैल को आएगी। अभिनेता बताते हैं कि उनके किरदार का नाम रमाकांत है, एक नंबर का कंजूस। निर्माता उनकी पत्नी पत्रलेखा हैं।

राजकुमार अभिनीत टोस्टर में, मुख्य अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा हैं। इसके अलावा, अर्चना पूरन सिंह, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, सीमा पहवा और जितेंद्र जोशी जैसे किरदार हैं। वीडियो के साथ कैप्शन दिया गया, मोनोलॉग सुन लिया न? जबर-टोस्ट कॉमेडी होने वाली है। निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है, जबकि पटकथा रवेज शेख, अनघ मुखर्जी और अक्षत घिल्डियाल ने लिखी है। टोस्टर की कहानी कंजूस रमाकांत और उसे शादी में मिले एक तोहफे के इर्द-गिर्द घूमती है।

नागा शौर्य बैड बॉय कार्तिक 17 अप्रैल को दुनिया भर में हो रही रिलीज

हीरो नागा शौर्य अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म बैड बॉय कार्तिक के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक राम देसिना (रमेश) ने किया है और इसका निर्माण श्री वैष्णवी फिल्म्स के बैनर तले श्रीनिवास राव चिंतलपुडी ने किया है। फिल्म के संगीत प्रचार ने पहले ही ज़बरदस्त धूम मचा दी है, और रिलीज़ हुआ हर गाना हिट हो रहा है। हाई-वोल्टेज दृश्यों और दमदार एक्शन से भरपूर टीज़र ने फिल्म के प्रति उत्साह को और भी बढ़ा दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि बैड बॉय कार्तिक 17 अप्रैल को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी और गर्मियों की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी। पोस्टर नाटकीय और एक्शन से भरपूर है। नाग शौर्य एक मुट्ठी उठाए और दूसरे हाथ में हथियार लिए हुए, आग की पृष्ठभूमि में दिखाई दे रहे हैं। उनके पीछे भव्य, बहु-भुजाओं वाली देवी की मूर्ति है, जो त्योहारों के जुलूसों की विशेषता है, और एक विशाल भीड़ से घिरी हुई है।

एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह है कि ज़ी स्टूडियोज़ ने भारी भरकम कीमत पर बैड बॉय कार्तिक के थिएट्रिकल और नॉन-थिएट्रिकल राइट्स हासिल कर लिए हैं। ऐसे समय में जब फिल्मों के लिए ये राइट्स हासिल करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है, यह जल्दी सौदा फिल्म की विषयवस्तु पर ज़ी स्टूडियोज़ के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। ज़ी स्टूडियोज़ के साथ यह जुड़ाव न केवल फिल्म की विश्वसनीयता बढ़ाता है, बल्कि इसकी रिलीज़ से पहले की चर्चा को भी काफी बल देता है।

इस फिल्म में विधि, नागा शौर्य के साथ मुख्य अभिनेत्री हैं, जबकि श्रीदेवी विजयकुमार उनकी बहन की भूमिका में नजर आएंगी। समुथिरकानी और नरेश वीके भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

तकनीकी टीम की बात करें तो, रसूल एलोर फिल्म की छायांकन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, संगीत हैरिस जयराज ने दिया है, संपादन का काम कोटागिरी वेंकटेश्वर राव ने किया है और कला निर्देशन रामंजनयुलु ने किया है।

फिल्म निर्माता प्रचार-प्रसार में और भी अधिक जोर लगाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि रिलीज की तारीख ज्यादा दूर नहीं है।

अचानक 'धुरंधर' की यलीना से क्यों होने लगी करिश्मा कपूर की तुलना?

अभिनेत्री करिश्मा कपूर हाल ही में इंडियन आइडल के गोल्डन जुबली एपिसोड में बतौर गेस्ट पहुंचीं। वे गोल्डन ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने अपना लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद लोग उनकी तुलना 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन से कर रहे हैं।

करिश्मा कपूर 90 के दशक के चोटी के सितारों में शामिल रही हैं। कपूर खानदान की लाडली लोलो ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। लुक और स्टाइल के मामले में आज भी उनका जवाब नहीं। हाल ही में वे रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 16' के गोल्डन जुबली एपिसोड (50वां एपिसोड) में पहुंचीं। गोल्डन ड्रेस में वे खूबसूरत लगीं। उनके इस लुक की तुलना यूजर्स सारा अर्जुन के लुक से कर रहे हैं। जानिए क्यों?

क्यों हो रही करिश्मा और सारा अर्जुन की तुलना?

करिश्मा कपूर ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ दिलकश फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने फोटोज के साथ कैप्शन लिखा है, 'गोल्डन जुबली स्पेशल एपिसोड के गोल्डन मूमेंट्स'। नेटिजंस करिश्मा के लुक की दिल खोलकर तारीफ तो कर रहे हैं, मगर साथ ही लिख रहे हैं कि उन्होंने सारा अर्जुन जैसी ड्रेस पहनी है। कुछ यूजर्स एक्ट्रेस की तुलना भी 'धुरंधर' की यलीना से कर रहे हैं।

क्या करिश्मा ने पहनी सारा अर्जुन जैसी ड्रेस?

करिश्मा की तुलना सारा अर्जुन से किए जाने के पीछे दरअसल, वजह यह है कि बीते दिनों 'धुरंधर द रिवेंज' की सक्सेस पार्टी में सारा अर्जुन जो ड्रेस पहनकर पहुंची थीं, वह कुछ-कुछ वैसी थी, जैसी करिश्मा कपूर 'इंडिया आइडल' शो में पहनकर पहुंचीं। अगर, डिजाइन के थोड़े-बहुत अंतर को छोड़कर दोनों एक्ट्रेस की ड्रेस लगभग एक जैसी है। रंग भी एक जैसा है। यलीना की ड्रेस कॉलर वाली है। वहीं, करिश्मा कपूर की ड्रेस 'वी' शेप नेक वाली है।

नेटिजन ने लिखा- 'आप सारा वाले किरदार के लिए परफेक्ट होतीं'

करिश्मा की फोटोज पर नेटिजंस लिख रहे हैं, 'आपकी ड्रेस सारा अर्जुन जैसी लग रही है'। एक यूजर ने लिखा, 'आप 20-25 साल की होतीं तो सारा अर्जुन के रोल के लिए परफेक्ट होतीं'। एक यूजर ने लिखा, 'आपने बिल्कुल सारा जैसी ड्रेस पहनी है, लेकिन उनसे भी बेहतर लग रही हो'। कुछ नेटिजंस उन्हें 90 के दशक की क्वीन बता रहे हैं।

चुकंदर को लेकर लोगों के मन में हैं ये आम भ्रम, जानिए इनकी सच्चाई

चुकंदर को सबसे सेहतमंद सब्जियों में गिना जाता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि त्वचा को भी निखार देता है। हालांकि, इस सब्जी को लेकर लोगों में कई भ्रम फैले हुए हैं। इस लेख में हम कुछ आम भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि चुकंदर का सेवन कैसे लोगों के लिए लाभकारी हो सकता है। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप सही निर्णय ले पाएंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

भ्रम- चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है

बहुत से लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है। यह एक गलत धारणा है, क्योंकि चुकंदर में कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होता है। फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाते हैं।

भ्रम- चुकंदर का रंग मूड खराब करता है

कुछ लोग मानते हैं कि चुकंदर का रंग मूड खराब कर सकता है, खासकर जब यह दांतों या हाथों पर लग जाता है। हालांकि, यह सिर्फ एक भ्रम है। सही तरीके से धोने पर चुकंदर का रंग आसानी से हट जाता है। आप चाहें तो चुकंदर को छीलकर उसका रस निकाल सकते हैं, जिससे रंग की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व आपके मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

भ्रम- चुकंदर खाने से पेट में गैस बनती है

चुकंदर खाने से गैस बनने का डर बहुत लोगों में होता है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। अगर आप संतुलित मात्रा में चुकंदर खाते हैं तो इससे गैस नहीं बनती। दरअसल, चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और पाचन प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। इसलिए, संतुलन में ही चुकंदर का सेवन करें, ताकि आप इसके सभी फायदों का आनंद ले सकें और गैस से बच सकें।

भ्रम- चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए

कई लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए, ताकि इसके सभी लाभ मिल सकें। हालांकि, सच्चाई यह है कि कुछ पोषक तत्व पकाने पर भी बने रहते हैं और कुछ नए बन जाते हैं।

कच्चे चुकंदर सलाद में अच्छे लगते हैं, जबकि भुने या उबले हुए चुकंदर सूप या पराठे में स्वादिष्ट लगते हैं। इसलिए, इसे अपनी पसंद और आवश्यकता अनुसार किसी भी रूप में खाया जा सकता है।

सनी लियोनी चलीं हॉलीवुड, नई अमेरिकी सीरीज द जाइंट में निभाएंगी ये धाकड़ किरदार

हॉलीवुड के गलियारों में भी अब सनी लियोनी का जलवा देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने अपनी आगामी अमेरिकी सीरीज द जाइंट में मुख्य भूमिका निभाने की पुष्टि की है, जिसके लिए वो बेहद उत्साहित हैं। एक शेरिफ के चुनौतीपूर्ण किरदार में नज़र आने वालीं सनी के लिए ये प्रोजेक्ट उनके अब तक के करियर का सबसे बड़ा और अलग पड़ाव माना जा रहा है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।

कैनेडी के बाद हाल ही में अपने डीजे करियर की शुरुआत करने के बाद सनी अब एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं। वो जल्द ही केविन बी प्लॉट द्वारा निर्मित और लिखित अमेरिकी टीवी सीरीज द जाइंट में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस सीरीज की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। इसमें सनी शेरिफ क्वाना डियरलीफ की चुनोतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। ये किरदार सनी के अभिनय सफर में एक और नया और अलग अध्याय जोडने़ वाला है।

सनी ने कहा, ये मेरे अब तक के कामों से काफी अलग है और यही बात मुझे इसके लिए उत्साहित करती है। एक नए किरदार को तलाशना और बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखना हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। मैं इस सफर के लिए बहुत उत्सुक हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं। उम्मीद है कि मेरे प्रशंसक इसे देखने का उतना ही आनंद लेंगे, जितना मैं इसका हिस्सा बनकर ले रही हूं।

ये सीरीज अपनी विविध कास्ट के लिए भी चर्चा में है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। सनी का इस सीरीज में जुडऩा इसकी विविधता को और भी बढ़ाता है, जो इसे वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बनाता है। हॉलीवुड की इस मुख्यधारा की सीरीज में शेरिफ की वर्दी पहनकर वो प्रशंसकों के साथ-साथ समीक्षकों को भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं।

खास खबर

कृषि विभाग द्वारा किसानों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव। कृषि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत तहसील कुमरदा क्षेत्र के कृषकों को अन्य जिलों में प्रगतिशील कृषकों के फार्म एवं खेतों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान किसानों को खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के युवा किसान सौरभ जंघेल के फार्म हाउस का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें मशरूम उत्पादन एवं जैविक खेती के माध्यम से आय बढ़ाने के तरीके बताए गए। साथ ही गण्डई क्षेत्र में पड़त भूमि पर की जा रही ड्रैगन फ्रूट की खेती का भी अवलोकन कराया गया तथा इसके उत्पादन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। किसानों को कबीरधाम जिले के कृषक रूपेश जायसवाल के खेतों का भी भ्रमण कराया गया, जहां 27 एकड़ में खरबूजा, 12 एकड़ में पपीता एवं टमाटर सहित अन्य फसलों की उन्नत खेती की जा रही है। किसानों को बताया गया कि रबी सीजन में इन फसलों को धान के विकल्प के रूप में अपनाकर बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। लोहारा विकासखंड के भ्रमण के दौरान किसान समूहों द्वारा सामूहिक खेती, बाजार सुविधा, कीट एवं रोग नियंत्रण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जशपुर के बच्चों के लिए खुलेगा अंतरिक्ष का द्वारः 'स्पेस ऑन व्हील्स' बस के माध्यम से इसरो दिखाएगा ब्रह्मांड के नजारे

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप जिले में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जागरूकता और अध्ययन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अन्वेषण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में जशपुर जिले के विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और इसरो की उपलब्धियों से परिचित कराने के लिए 'स्पेस ऑन व्हील्स:अन्वेषण' कार्यक्रम आयोजित होगा। कलेक्टर रोहित व्यास की पहल और विज्ञान भारती के सहयोग से जिले के सभी विकासखंडो के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम का लाभ मिलेगा। स्पेस साइंस व टेक्नोलॉजी के मॉडल्स और कॉन्सेप्ट्स से सुसज्जित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का विशेष वाहन जिले के सभी विकासखण्डों के प्रमुख विद्यालयों का भ्रमण करेगा। स्पेस आन व्हील्स कार्यक्रम के लिए विज्ञान भारती के सदस्य भी जशपुर आएंगे। 07 मार्च से प्रारंभ होने वाला यह कार्यक्रम पूरे 14 दिनों तक जिले में चलेगा। 7 मार्च को पत्थलगांव से इसकी शुरुआत होगी। तिथियों के अनुरूप निर्धारित विद्यालयों में सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक प्रतिदिन यह विशेष वाहन उपलब्ध रहेगा। जिले के 10000 से अधिक विद्यार्थी इस कार्यक्रम से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। विद्यालयों में इसरो के इस विशेष वाहन के भ्रमण के दौरान अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित जानकारियां, वाहन में सुसज्जित स्पेस मॉडल्स-चंद्रयान, मंगलयान, आरएलवी, पीएसएलवी, जीएसएलवी, रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट, कम्यूनिकेशन सैटेलाइट, नेविगेशन सैटेलाइट और उनकी कार्यप्रणाली व संभावनाओं के विषय में विद्यार्थियों को बताया जाएगा। फैसिलिटेटर के रूप में भौतिकी के व्याख्याता और वॉलिंटियर्स भी उपस्थित रहेंगे।

बंगाल में अब बदलाव होगा, तृणमूल के पापों का घड़ा भर चुका हैः पीएम मोदी

कूचबिहार (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बंगाल के कूचबिहार के ब्रिगेड ग्राउंड रैली में दावा किया कि बंगाल में बदलाव का माहौल बन चुका है। उन्होंने तृणमूल पर भ्रष्टाचार और भय की राजनीति का आरोप लगाया और भाजपा को भरोसे और विकास का विकल्प बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है। पीएम ने कहा- टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा और जनता का लूटा हुआ पैसा वापस कराया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने संदेशखाली जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, एक ओर बंगाल में तृणमूल के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक और तृणमूल के घुसपैठ कराने का भय है तो दूसरी ओर घुसपैठियों को भगाने वाली भाजपा पर भरोसा है। एक ओर संदेशखाली जैसी बहनों की चीखें है तो दूसरी ओर नारी शक्ति को सुरक्षा और सशक्तिकरण की मोदी की गारंटी है। बंगाल एक समय भारत के सबसे बड़े विकसित राज्यों में से एक होता था। हर क्षेत्र में बंगाल आगे रखा था, लेकिन फिर बंगाल पर ग्रहण लग गया। पहले कांग्रेस का, फिर लेफ्ट का और अब टीएमसी का ग्रहण। तृणमूल के शासन काल में बंगाल की डेमोक्रेसी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को सीधा टीएमसी का समर्थन मिलता है। इसलिए भारत सरकार घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें बाहर निकालने का काम कर रही है।

तृणमूल एसआईआर का विरोध करती है। सीएए को रद्द करने की धमकी दे रही हैं। इससे ये सरकार जिन हिंदुओं को नागरिकता मिली है, उनसे नागरिकता छीनेंगे और अवैध घुसपैठियों को नागरिकता देंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि तृणमूल इनको अपना वोट बैंक मानती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी तृणमूल ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए। बीजेपी को वोट देकर परिवर्तन पर मुहर लगाइए। मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास है कि इस बार निष्पक्ष चुनाव होगा। आज कूच बिहार का किसानों के साथ भी अन्याय हो रहा है। हमारे किसान भाई बहन कठोर परिश्रम करते हैं, लेकिन उन्हें इसकी सही कीमत नहीं मिलती। आप आलू का रिकॉर्ड उत्पादन करते हैं। लेकिन, उन्हें औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। यहां आलू स्टोर की कोई व्यवस्था नहीं। इससे फसल सड़ने लगती है।ढाई लाख किसानों को हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि में भेजे है। आपके आशीर्वाद से बंगाल में डमल इंजन का सरकार बनेगी तो यहां से अन्याय खत्म होगा। यह मोदी की गारंटी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारा बंगाल एक समय भारत के सबसे बड़े विकसित राज्यों में से एक होता था। विकास व्यापार उद्योग कला संस्कृति हर क्षेत्र में बंगाल आगे रखा था। लेकिन फिर बंगाल पर ग्रहण लग गया। पहले कांग्रेस का, फिर लेफ्ट का और अब तृणमूल का ग्रहण। उन्होंने कहा कि इससे बंगाल की चमक फीकी पड़ती चली गई। पहले देश में एक सामान्य व्यक्ति औसतन जितना कमाते थे, बंगाल का मानुस उससे ज्यादा कमाता था। लेकिन अब स्थिति उलट गई है। आज देश के अन्य राज्य विकास कर रहे हैं, लेकिन बंगाल पीछे जा रहा है। यहां से फैक्ट्रियां बाहर जा रही है।

गर्मी में लू से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किया सावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्रीष्म कालीन मौसम प्रारंभ होने पर तथा अधिक गर्मी पडने से शुष्क वातावरण में लू (तापाघात) की संभावना अधिक होती है। जो घातक या जानलेवा हो सकती है। इस दृष्टिगत रखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि जिले में लगातार मौसम परिवर्तन के बाद अब धूप एवं गर्मी प्रारंभ हो गया है। जिसके कारण लू लगने की संभावना बढ़ गई है, सूर्य की तेज गर्मी के दुष्प्रभाव से शरीर के तापमान में विपरीत प्रभाव पड़ता है जिससे शरीर में पानी और खनिज लवण, नमक की कमी हो जाती है इसे लू लगना या हीट-स्ट्रोक कहा जाता है।

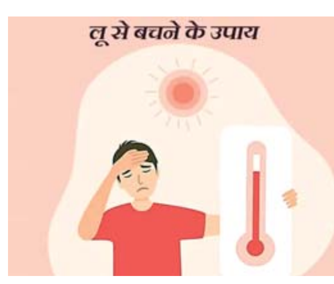

वर्तमान में लोग घर से बाहर जाकर ऑफिस वर्क, खेती तथा बाजार में खरीदारी आदि कार्य कर रहे है वे पर्याप्त मात्रा में पानी एवं पेय पदार्थो का सेवन नहीं करते हैं जिसके कारण वे निर्जलीकरण के शिकार हो जाते है 7 समय पर उपचार ना मिलने के कारण मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। उन्होने बताया कि आमलोगों के द्वारा कुछ तरीके अपनाकर लू (तापाघात) से बचाव किया जा सकता है, जैसे गर्मी के दिनों में हमेशा घर से बाहर जाते समय सफेद, सूती या हल्के कपडे पहने, भोजन करके तथा पानी पीकर ही बाहर निकले, गर्दन के पिछले भाग कान एवं सर गमछे से ढककर ही निकलें, छतरी एवं रंगीन चश्मे का प्रयोग करें, गर्मी में अधिक मात्रा में पानी पिये तथा ज्यादातर तरल पेय पदार्थों का सेवन करें, बाहर जाते समय पानी जरूर साथ रखें, बेवजह बाहर ना जावें, बच्चों बुजुर्गो व गर्भवती महिलाओं का विषेष ध्यान रखें, उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें एव सुपाच्य भोजन एव तरल पदाथों का सेवन करावें।

गर्मी के दिनों में तीव्र धूप को घर अंदर आने से रोकें तथा जहॉं तक संभव हो अधिक से अधिक समय तक धूप में रहकर व्यायाम तथा मेहनत का काम ना करें,धूप में नंगे पॉव ना चलें इन सावधानियों को अपनाकर स्वयं को लू (तापाघात) से बचा जा सकता है। लू (तापाघात) के लक्षण:-लू का शिकार होने पर व्यक्ति में सरदर्द, बुखार, उल्टी एवं अत्यधिक पसीना आना, बेहोशी आना, चक्कर आना, सांस फूलना, दिल की धडकन तेज होना , कमजोरी महसूस होना , शरीर में ऐंठन तथा त्वचा लाल एवं सूखी होना हो सकता है लू (तापाघात) से बचाव कृ लू (तापाघात) होने पर रोगी को छायादार स्थान पर कपड़े ढीले कर लिटायें एवं हवा करें। रोगी को बेहोशी होने की स्थिती में कोई भी भोज्य - पेय पदार्थ न दें एवं तत्काल चिकित्सा सेवायें प्राप्त करें। रोगी को होश में आने की स्थिती में उसे ठंडे पेय पदार्थ , जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पना आदि देवें। रोगी के शरीर के तापमान को कम करने के लिए उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियॉं रखें। लू से प्रभावित व्यक्ति को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जावें।

मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि जिले के मेडिकल कॉलेज, सामु.स्वा.केन्द्रों, प्राथ.स्वा.केन्द्रों तथा शहरी स्वा- केन्द्रों में लू (तापाघात) से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयॉं एवं ओ.आर.एस. उपलब्ध है।

राह-वीर योजना : सड़क हादसों में जान बचाने वालों को मिलेगा 25 हजार इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले आम नागरिकों को सम्मानित करने के लिए राह-वीर योजनाश् शुरू की है। इस योजना के तहत, गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर जान बचाने वाले को 25,000 का नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र दिया जाएगा।

इसके लिए केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार करें ताकि अधिक लोग आगे आएं और दुर्घटना में घायल लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। आमजनों को नगद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने और उनका मनोबल बढ़ाने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने के लिए दूसरों को प्रेरित करने की आवश्यकता है। सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राह-वीर योजना अंतर्गत् कोई भी व्यक्ति जो गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित व्यक्ति की तत्काल सहायता करके दुर्घटना के स्वर्णिम समय (गोल्डन ऑवर) के भीतर अस्पताल व ट्रामा केयर सेंटर में पहुंचाकर चिकित्सा उपचार हेतु पहल कर जान बचाई हो, ऐसे नेक व्यक्ति को पुरस्कार प्रदान करने की योजना का अनुमोदन किया गया है।

अब गांव में ही मिलेगा न्यायः कलेक्टर की पहल पर लिंक कोर्ट की शुरुआत

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले के डुबान प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को बड़ी राहत देते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए लिंक कोर्ट सुविधा प्रारंभ करने की घोषणा की थी । यह निर्णय 3 अप्रैल को किए गए क्षेत्रीय दौरे के दौरान ग्राम अकलाडोंगरी में ग्रामीणों से सीधे संवाद के बाद लिया गया।

कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके ही क्षेत्र में सहज, सुलभ एवं समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। अब अकलाडोंगरी सहित आसपास के गांवों के लोगों को राजस्व मामलों के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय तक बार-बार आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी, साथ ही प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा।

नई व्यवस्था के तहत सप्ताह में एक निर्धारित दिवस पर तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार संबंधित ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर लंबित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे और मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करेंगे। यह पहल विशेष रूप से उन ग्रामीणों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, जो भौगोलिक दूरी और संसाधनों के अभाव के कारण अपने मामलों का समय पर निराकरण नहीं करवा पाते थे। साथ ही ग्रामीणों को इसकी जानकारी व्यापक रूप से देने के लिए ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

पुनर्वासित व्यक्तियों को मिल रही आत्मनिर्भरता की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत कोण्डागांव जिले में पुनर्वासित व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी पहल की जा रही है। जिले में स्थापित पुनर्वास केन्द्र आज उन लोगों के लिए आशा और नवजीवन का केन्द्र बन चुका है, जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की राह अपनाई है।

जिले में वर्तमान में 48 पुनर्वासित व्यक्ति हैं, जिन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। पुनर्वासित व्यक्तियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिनमें असिस्टेंट शटरिंग कारपेंटर, गार्डनर, वाहन मेकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई-कढ़ाई जैसे रोजगारोन्मुखी कौशल शामिल हैं। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य उन्हें हुनरमंद बनाते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करना है।प्रथम चरण में 38 व्यक्तियों को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं वर्तमान में लाईवलीहुड कॉलेज में 10 पुनर्वासित व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें 7 व्यक्तियों को सिलाई एवं 3 को इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण न केवल तकनीकी दक्षता प्रदान कर रहा है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान भी बढ़ा रहा है। मड़हो बाई कोर्राम और हाड़ोबाई सोडी बताती हैं कि पुनर्वास केन्द्र में रहते हुए वे सिलाई-कढ़ाई का कार्य सीख रही हैं। उनका कहना है कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे अपने गांव लौटकर स्वयं का रोजगार शुरू करेंगी और आत्मनिर्भर होकर जीवनयापन करेंगी। इसी प्रकार मोहन कोर्राम, जो वर्ष 2004 में माओवादी संगठन से जुड़े थे, अब शासन की पुनर्वास नीति का लाभ लेकर सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वे इस कौशल के माध्यम से अपने गांव में स्वरोजगार स्थापित कर शांतिपूर्ण जीवन यापन करना चाहते हैं।राज्य शासन द्वारा पुनर्वासित व्यक्तियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है और उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शासन की पुनर्वास नीति और जनकल्याणकारी योजनाएं मिलकर पुनर्वासित लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

छह सत्रों में बीजेपी कार्यकर्ताओं को मिली सांगठनिक-तकनीकी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जवाहर नगर मंडल (जिला रायपुर) द्वारा आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान - 2026' का 4 अप्रैल को समता कॉलोनी स्थित रामनाथ भीमसेन भवन में शुभारंभ हुआ। मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से कार्यकर्ताओं को वैचारिक और सांगठनिक रूप से सुदृढ़ करने की मुहिम शुरू की गई है।

इस प्रशिक्षण शिविर की विशेष बात यह रही कि पूरे आयोजन के दौरान प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहा। आयोजन में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया, जो कार्यकर्ताओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है। साथ ही, भारतीय संस्कृति और स्थानीयता को बढ़ावा देते हुए अतिथि वक्ताओं का स्वागत स्थानीय उत्पादकों द्वारा निर्मित 'तुलसी की माला' पहना कर किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ सुबह 10:00 बजे हुआ। प्रशिक्षण में पहुंचे सभी प्रशिक्षार्थियों का भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और प्रदेश व जिला मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण (झंडा वंदन) कर शिविर की शुरुआत की। मंच का संचालन अश्वनी विश्वकर्मा ने किया।

मुख्य वक्ता विधायक पुरंदर मिश्रा ने सर्वप्रथम प्रशिक्षण स्थल पर लगी विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ सरकार की उपलब्धियों, जवाहर नगर मंडल के सेवा कार्यों और महापुरुषों के जीवन चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। तत्पश्चात, विधायक जी एवं मंचासीन अतिथियों ने महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया।

प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए विधायक मिश्रा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और केंद्र की भाजपा सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा, कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और प्रशिक्षण वह माध्यम है जिससे हम सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकते हैं। प्रथम सत्र (प्रशिक्षण की उपादेयता एवं इतिहास): वक्ता गुंजन प्रजापति, पुरंदर मिश्र (विधायक), रमेश सिंह ठाकुर एवं गुंजन प्रजापति। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल ने की। द्वितीय सत्र (वैचारिक अधिष्ठान): वक्ता रायपुर विधानसभा प्रभारी राजेंद्र शर्मा। अध्यक्षता अवतार सिंह बागल ने की। तृतीय सत्र (कार्यपद्धति एवं कार्य सम्हाल): वक्ता अमित मैशरी शाह द्वारा अध्यक्षता सुभाष अग्रवाल ने की। चतुर्थ सत्र (कार्यविस्तार पर हमारी दृष्टि): वक्ता श्रीमती सीमा संतोष साहू। अध्यक्षता संतोष साहू ने की।

पंचम सत्र : वक्ता अमरजीत छाबड़ा। अध्यक्षता चंद्रेश शाह ने की। षष्ठम सत्र (बूथ प्रबंधन, मन की बात): वक्ता श्रीमती ममता अग्रवाल। अध्यक्षता श्रीमती गीता रेड्डी ने की।

मसोरा जलाशय बनेगा पर्यटन का नया केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। जिले के मसोरा जलाशय में इन दिनों प्रकृति और पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में लेसर व्हिस्लिंग डक जिन्हें स्थानीय तौर पर सिटी बजाने वाली बत्तख या छोटी सिल्ही कहा जाता है, को देखा जा रहा है।

भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाने वाली यह छोटी भूरे रंग की बत्तख इस जलाशय की सुंदरता को और बढ़ा रही है।राष्ट्रीय राजमाग NH-30 से मात्र 900 मीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत मसोरा के जामकोट जलाशय को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। होम स्टे नीति के तहत ग्राम पंचायत मसोरा का चयन किया गया है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार हो सके।पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोंडागांव विधायक लता उसेंडी एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के संयुक्त प्रयासों से यहां 'वन भोज' कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है।

इस पहल के तहत जिला प्रशासन, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं तथा वन, खनिज एवं प्रबंधन समिति के सहयोग से जलाशय के आसपास विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएगी।जिससे यहाँ आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्वादिष्ट स्थानीय भोजन का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, नाव विहार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पर्यटक अपने परिवार और मित्रों के साथ सुकून भरे पल बिता सकेंगे।

रायपुर में बिल्डिंग निर्माण के दौरान कारपेंटर जिंदा दफन

रहेजा बिल्डर की साइट पर 8 फीट नीचे मिट्टी धंसी, मृतक झारखंड का रहने वाला था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में बिल्डिंग निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से एक कारपेंटर की मौत हो गई। कंस्ट्रक्शन का काम कचना इलाके में रहेजा प्रोजेक्ट की साइट पर चल रहा है। यहां 2 दर्जन से ज्यादा मजदूर काम पर लगे थे। गुड्डू रवि 8 फीट नीचे गड्ढे में शटरिंग के काम में लगा था, तभी अचानक मिट्टी का मलबा उस पर गिरा और वह जिंदा दफन हो गया, दम घुटने से उसकी जान चली गई।

मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। कारपेंटर झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें बीमारी की सूचना दी गई थी, सच्चाई छिपाई गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। केस में जांच जारी है।

क्लब हाउस की जगह हुआ हादसा

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, कचना इलाके में रहेजा प्रोजेक्ट साइट पर क्लब हाउस का निर्माण हो रहा है। शनिवार को यहां 2 दर्जन से ज्यादा मजदूर काम में लगे हुए थे। कारपेंटर गुड्डू रवि (32) अपने साथियों के शटरिंग के काम के लिए नीचे खोदे गए गड्ढे में उतरा था। जो 8 फीट गहरा है। वह काम कर ही रहा था, उस दौरान एक अन्य साथी पानी पीने के लिए आगे बढ़ा, तभी अचानक मिट्टी का ढेर गुड्डू पर गिर गया और वो जिंदा दफन हो गया। साथी कर्मचारियों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थी।

एक महीने पहले गुड्डू रवि आया था रायपुर

मृतक का शव लेने रायपुर पहुंचे भाई पुलेंदर कुमार ने बताया कि, एक महीने पहले बड़ा भाई गुड्डू रवि काम के लिए रायपुर आया हुआ था। संतोष कुमार नाम के ठेकेदार के साथ वह काम में लगा था। शनिवार दोपहर उससे बात भी हुई थी। शाम चार बजे जब वो दुकान में था, तो गुड्डू के फोन से दोबारा कॉल आया। कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि भाई की तबीयत अचानक खराब हो गई है। रायपुर आ जाओ। परिजनों के साथ जब रायपुर के मेकाहारा पहुंचा तो भाई मृत हालत में मिला। मेकाहारा में लोकल ठेकेदार मिला, जिसने बताया कि मिट्टी के ढेर के नीचे वो दब गया था। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद घटनास्थल के बाहर बिल्डर के कर्मचारी तैनात कर दिए गए थे। जहां मीडिया की इंट्री पर बैन लगा दिया गया था। खम्हारी प्रभारी आईपीएस मान्सी नानाभाई साकुरे ने बताया कि, हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर जाकर जांच और मर्ग कायम करके पीएम के लिए भेजा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की जांच की जाएगी।

तीन बेटियों का पिता था गुड्डू

मृतक के परिजनों ने बताया, कि गुडड् रवि की तीन बेटियां है। एक बेटी पांच साल की, दूसरी तीन साल और तीसरी नौ महीने की है। गुड्डू की मौत की जानकारी मिलने पर पत्नी माया देवी बदहवास है। परिजनों ने मामले में ठोस कार्रवाई की मांग की है।

खास खबर

जूस की बर्फ से निकला मरा मेंढक, चौपाटी में मचा हड़कंप

कोरबा। शहर के घंटाघर चैपाटी क्षेत्र में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक जूस दुकान में इस्तेमाल की जा रही बर्फ के अंदर से मृत मेंढक निकल आया। इस घटना से मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए और क्षेत्र में स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जूस बनाते समय जैसे ही बर्फ तोड़ी गई, उसमें मरा हुआ मेंढक दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर ग्राहकों में दहशत फैल गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चैपाटी समिति के अध्यक्ष ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की और संबंधित दुकान से खाद्य सामग्री लेने से बचने को कहा। स्थानीय लोगों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए खाद्य विभाग और नगर प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोषी दुकान पर कड़ी कार्रवाई और क्षेत्र में सघन जांच की मांग की है। विशेषज्ञों के अनुसार, दूषित बर्फ के उपयोग से फूड पॉयजनिंग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फिलहाल मामले में प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

सिगरेट से शुरू हुआ विवाद खून तक पहुंचा मामला

दुर्ग। सुपेला थाना क्षेत्र में आधी रात का एक मामूली विवाद अचानक खतरनाक हमले में बदल गया जब सिगरेट मांगने पर मना करना दो युवकों पर जानलेवा हमला बन गया, घटना रात करीब 12:30 बजे की है जब नेहरू नगर स्थित महेश एलईडी वर्क के सामने किराये के मकान में रहने वाले युवक और उसके दोस्त के पास एक अज्ञात युवक पहुंचा और सिगरेट मांगी, मना करने पर पहले गाली-गलौज हुई और मामला शांत होता दिखा लेकिन कुछ देर बाद वही युवक वापस लौटा और अचानक विवाद करते हुए धारदार हथियार से हमला कर दिया, हमले में प्रार्थी के बाएं पसली में गंभीर चोट आई जबकि उसके साथी के दाहिने हाथ पर वार किया गया, हमला करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया, घायल युवकों ने तुरंत थाना सुपेला पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 489/2026 दर्ज करते हुए धारा 296, 115(2), 351(3) बीएनएस और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम कर जांच शुरू की, पुलिस ने बिना समय गंवाए तकनीकी इनपुट और स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की और घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आलोक राम टेके उम्र 19 वर्ष निवासी अटल आवास नेहरू नगर सुपेला दुर्ग के रूप में हुई।

धारदार चाकू से लोगों को डराने धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

जगदलपुर। एसपी शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सार्वजनिक स्थान में धारदार बटन वाला चाकू को रखकर डराने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। कोतवाली में शाम करीब 8 बजे सूचना मिला कि लालबाग मैदान शौचालय के पास एक लड़का अपने पास बटनदार चाकू रखा है आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है। मुखबिर की सूचना पर तत्काल एसपी शलभ कुमार सिन्हा के दिशानिर्देशन में एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं सीएसपी सुमित कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम रवाना किया गया, पुलिस टीम मौके पर जाकर घेराबंदी कर युवक को मिलने पर गवाह के समक्ष युवक के विधिवत तलाशी लेने पर युवक के जेब से धारदार बटन वाला चाकू मिला। जिसे रखने के संबंध में दस्तावेज मांग करने पर युवक द्वारा अवैध रूप से रखना स्वीकार किया जिसे मौके पर जप्त कर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर रिमांड में न्यायालय पेश किया गया है।

भिलाई में सरेराह मंगलसूत्र छीनने वाला युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में रविवार शाम 65 साल की महिला से मंगलसूत्र छीनने की घटना सामने आई। महिला सेक्टर-6 ए मार्केट से दवा लेकर घर लौट रही थी। इसी दौरान युवक ने रास्ता पूछने के बहाने उसे रोका और अचानक उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीनकर भागने लगा।

इस बीच पेट्रोलिंग पर निकले भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने अपनी टीम के साथ युवक का पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोपी को पहले हिरासत में लिया गया। बाद में महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि रमीला दवाइयां लेकर सेक्टर 6 सड़क 17 स्थित अपने घर जा रही थी। शाम करीब 7:45 बजे एक युवक उनके पास आया और सड़क 17 का रास्ता पूछने लगा। महिला जैसे ही उसे रास्ता बताने लगी, युवक ने अचानक उनके गले से सोने का मंगलसूत्र खींच लिया और सेंट्रल एवेन्यू की तरफ भागने लगा।

पकड़े जाने के बाद युवक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम हर्ष चंद्राकर (22) निवासी संगम चौक खुर्सीपार बताया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से महिला का छीना हुआ सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया गया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 304(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद 95% तक जली मिली छात्रा, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में बॉयफ्रेंड से झगड़ा होने के बाद 11वीं की छात्रा 95% तक जली हुई हालत में मिली, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है दोनों ने मिलकर किश्त में नया मोबाइल खरीदा था। छात्रा ने अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया तो बॉयफ्रेंड ने उसका फोन छिन लिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। मामला विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है। विवाद के अगले दिन विश्रामपुर-भटगांव रोड किनारे छात्रा की आधे से ज्यादा जली हुई मिली। लड़की का हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया था, जहां रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने सुसाइड की आशंका जताई है। वहीं बॉयफ्रेंड से पूछताछ भी की जा रही।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 9 बजे विश्रामपुर-भटगांव रोड पर पासिंग नाले के पास सड़क किनारे नाबालिग जली अवस्था में मिली थी। उसकी पहचान ग्राम गोरखनाथपुर निवासी मोनिका सिंह उर्फ मोना (17) के रूप में हुई। वो कक्षा 11वीं की छात्रा थी। पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसे 95 फीसदी जलना बताया गया। उसे शुरुआती इलाज के बाद अंबिकापुर रेफर कर दिया गया था। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे।

रायपुर पहुंचने के बाद हुई मौत

घटना की सूचना पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े शनिवार शाम अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंची। मोनिका सिंह को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कराया। उसे रात में ही रायपुर मेकाहारा भेज दिया गया।

प्रेमी से मोबाइल को लेकर हुआ था विवाद

परिजनों से पूछताछ में पता चला कि, बेटी मोनिका का पिछले 2 साल से रामनगर निवासी भूपेंद्र सिंह से लव अफेयर चल रहा था। दोनों एक दूसरे के घर आते जाते रहते थे। भूपेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि, दोनों ने मिलकर किश्त में मोबाइल खरीदा था, जिसमें से कुछ पैसे भूपेंद्र सिंह ने दिया था। बाकी पैसे मोनिका को देने थे। उसने पैसे जमा नहीं कराए तो भूपेंद्र ने उससे मोबाइल छीन लिया था।

जलकर मरने की दी थी धमकी

शुक्रवार शाम को छात्रा मोनिका सिंह रामनगर भूपेंद्र सिंह के घर आई थी। रात में वह रूक गई थी। उसने सुबह भूपेंद्र सिंह से मोबाइल मांगा तो भूपेंद्र सिंह ने नहीं दिया। इस पर उसने धमकी दी कि वह जलकर मर जाएगी। रामनगर में ही छात्रा ने एक दुकान से 100 रुपए का पेट्रोल खरीदा था। भूपेंद्र ने उसे पेट्रोल खरीदते देख लिया और पेट्रोल लूटकर अपनी बाइक पर डाल लिया था। इसके बाद मोनिका को बाइक पर बैठाकर उसने आईटीआई कॉलोनी के पास सुबह 9 बजे छोड़ दिया था। वहां से उसका घर करीब 500 मीटर दूर है। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि वह वापस रामनगर लौट आया था। इसके करीब आधे घंटे बाद मोनिका सिंह गंभीर रूप से जली अवस्था में मिली।

पूछताछ के बाद पुलिस ने भूपेंद्र सिंह को थाने में बैठा लिया है। पुलिस भूपेंद्र सिंह के बयान की जांच की जा रही है। एडिशनल एसपी अभिषेक पैकरा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को छात्रा की मौत की अधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

ऑपरेशन 'निश्चय' के तहत 95 टीमों ने अपराधियों के ठिकानों पर दी दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर रेंज में पुलिस ने ऑपरेशन निश्चय के तहत 4 और 5 अप्रैल को संयुक्त अभियान चलाकर अपराधियों पर शिकंजा कसा है। बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और रायपुर ग्रामीण जिलों में 95 टीमों ने एक साथ 384 रेड, दबिश और चेकिंग की कार्रवाई की।

इस दौरान अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार और फरार वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के तहत आबकारी एक्ट में 126 मामले दर्ज कर 126 आरोपियों पर कार्रवाई की गई। शराब से जुड़े मामलों में कुल 802.436 लीटर शराब और 597 पौवा जब्त किए गए।

वहीं नारकोटिक्स/एनडीपीएस एक्ट के 22 मामलों में 21.945 किलोग्राम मादक पदार्थ और 60 टैबलेट बरामद किए गए।

पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 6 मामला दर्ज कर 2 पिस्टल जब्त किए। इसके अलावा अलग-अलग प्रतिबंधात्मक धाराओं में 174 कार्रवाई की गई। वारंट तामील अभियान के दौरान 31 गिरफ्तारी वारंट, 14 स्थायी वारंट और 1 जमानती वारंट सहित कुल 46 वारंट तामील किए गए।

जिला स्तर पर भी की गई कार्रवाई

जिला स्तर पर भी पुलिस ने सघन कार्रवाई की। बलौदाबाजार-भाटापारा में 13 एनडीपीएस मामलों में 5.6 किलो मादक पदार्थ जब्त किया गया। गरियाबंद में 119 रेड के दौरान 158 लीटर शराब जब्त हुई।

धमतरी में 150 स्थानों पर दबिश देकर 3.9 किलो मादक पदार्थ पकड़ा गया। महासमुंद में 10.5 किलो मादक पदार्थ और 357 लीटर शराब बरामद की गई, जबकि रायपुर ग्रामीण में 1.8 किलो गांजा और 597 पौवा शराब जब्त की गई।

सट्टा-जुआ खिलाने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

इसके अलावा सट्टा-जुआ एक्ट के 2 मामलों में 7 लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर 6,230 रुपए जब्त किए गए। अन्य 4 आपराधिक मामलों में भी पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन निश्चय के जरिए असामाजिक तत्वों, तस्करों और वारंटियों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

किशोरी को हाथियों ने कुचला स्पॉट पर ही मौत

रामानुजगंज। जंगल में मौजूद हाथियों के दल ने एक किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। किशोरी जंगल में महुआ बीनने गई हुई थी, इसी दौरान उसका 22 हाथियों के दल से सामना हो गया। दल में मौजूद हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा बच्ची की लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी जा रही है।

बता दें कि, बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत चिनिया क्षेत्र में इन दिनों 22 हाथियों का दल मौजूद है, झारखंड की ओर से पहुंचा यह दल काफी आक्रामक है और पिछले 3-4 दिनों से महावीरगंज,चिनिया, सहित 5-6 अन्य गावों के आसपास विचरण कर रहा है।

वन विभाग द्वारा हाथियों के मौजूदगी को देखते हुए लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी गई थी लेकिन सूचना के बाद भी शनिवार की सुबह एक बच्ची जंगल में महुआ बीनने चली गई थी, बताया जा रहा है कि जंगल में महुआ बीनते समय 14 वर्षीया बच्ची का सामना हाथियों के दल से हो गया। दल में शामिल हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

वहीं एक अन्य व्यक्ति ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। मृतका की पहचान ग्राम बरदरिया निवासी 14 वर्षीया पिंकी कुमारी आ. बंबईया के रूप में की गई है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

कोनी। कोनी थाना क्षेत्र में सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने नगदी और जेवरात पार कर दिए। घटना अटल आवास निरतु की है, जहां निवासी मोहम्मद आजाद के घर चोरी हुई।

पीड़ित के अनुसार, 26 मार्च को दोपहर करीब 3 बजे वह अपनी पत्नी हुमा फिरदोष के साथ पारिवारिक शादी में चिरमिरी गए थे। घर में अलमारी बंद कर ताला लगाया गया था। 3 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे जब वे वापस लौटे, तो मुख्य दरवाजे में बाहर से ताला बंद था, लेकिन अंदर से कुंडी लगी हुई थी। छोटे बच्चे को गेट के ऊपर से अंदर भेजकर दरवाजा खुलवाया गया। अंदर पहुंचने पर देखा कि ताला टूटा हुआ पड़ा था और कमरे की अलमारी खुली हुई थी। अलमारी के लॉकर को तोड़कर चोरों ने 30 हजार रुपये नगद, सोने का नथ, अंगूठी, तीन बिछिया, चांदी की पायल और ब्रेसलेट समेत कुल करीब 65 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया।

साले ने दोस्त के साथ मिलकर जीजा को मारी कैंची

मां से मारपीट की बात पर भड़का विवाद, पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के गंज थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां साले ने अपने दोस्त के साथ मिलकर जीजा पर कैंची से जानलेवा हमला कर दिया।

घटना प्रभात टॉकीज के पास की है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों का नाम पुलिस द्वारा बाबू मराठी (रिश्ते में साला) एवं आयुष गुप्ता बताया जा रहा है। 4 अप्रैल 2026 को प्रार्थिया सुमित्रा दीप (30), निवासी कलिंग नगर, गुढ़ियारी ने थाना गंज में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके पति रवि दीप अपने परिचित गौरव सोना के साथ गंजपारा स्थित देशी शराब दुकान के पास मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी बाबू मराठी, जो रिश्ते में साला है, अपने साथी आयुष गुप्ता के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू कर दिया। दरअसल, कुछ दिन पहले रवि दीप ने बाबू मराठी की मां के साथ हुई मारपीट की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। इसी बात को लेकर आरोपी बाबू मराठी पहले से ही नाराज था। मौके पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गई।

विवाद के दौरान आरोपी बाबू मराठी ने अपने पास रखी कैंची से रवि दीप पर हमला कर दिया। हमले में रवि के सीने और जांघ में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद गौरव सोना ने बीच-बचाव कर घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

शिकायत के बाद पुलिस ने पकड़ा

घटना की रिपोर्ट पर गंज थाना पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु की और आरोपी बाबू मराठी और आयुष गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों पर आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

10 हजार रुपए के गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के ब्यौहारी पुलिस ने एक आरोपी को 1 किलो 250 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गांजा की कीमत करीब 10,980 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। ब्यौहारी के वार्ड नंबर 11 निवासी बीरेश कुमार द्विवेदी उर्फ मुकेश द्विवेदी अपने घर में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई और संदेही के घर पहुंचकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के घर के किचन में रखी एक टीन की पेटी के अंदर से गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजा का वजन 1 किलो 250 ग्राम पाया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी बीरेश कुमार द्विवेदी उर्फ मुकेश द्विवेदी, उम्र 51 वर्ष, निवासी जूनिया टोला ब्यौहारी को गिरफ्तार कर लिया।

प्रमुख खबरें

राज्यपाल ने जशपुर के मातृत्व वन में लगाए सीता व अशोक के पौधे

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सर्किट हाउस जशपुर के मातृत्व वन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सीता अशोक के पौधे का रोपण कर पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार और वनमंडला अधिकारी शशि कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस मातृत्व वन में 400 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संवेदनाओं के अद्वितीय समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करता है। मातृत्व वन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी माताओं के नाम पर पौधरोपण किया गया है। इस पहल ने अभियान को भावनात्मक और सामाजिक रूप से विशेष महत्व प्रदान किया है।

संवाद और सहमति से 27,705 वर्गफीट शासकीय भूमि हो गया अतिक्रमण से मुक्त

रायगढ़। तहसील पुसौर के ग्राम बोंदाटिकरा में शासकीय भूमि एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाने में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एसडीएम रायगढ़ के निर्देशानुसार पंचायत समाधान मंच के माध्यम से संबंधित पक्षों के साथ संवाद एवं समझाइश की प्रक्रिया अपनाई गई। प्रशासन की इस पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया, जब सभी अतिक्रमणकर्ताओं ने आपसी सहमति से अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया। इसके पश्चात आज तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व अमले की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर विधिवत कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

पहाड़ी कोरवाओं के लिए हर माह लगाए जाएं मेडिकल कैंप - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने रविवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों और जशपुर विकासखंड के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किए एक पेड़ मां के नाम अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जिले के संभावित टीबी मरीजों की जानकारी ली और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को बेहतर इलाज करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्तन कैंसर की भी विशेष जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराए जाए मरीजों को मेडिकल कॉलेज रायपुर अम्बिकापुर और एम्स रायपुर भेजकर ईलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल रमेन डेका ने सिकल सेल बीमारी और रेड क्रॉस सोसायटी की गतिविधियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी को विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों और गांव गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, वनमंडला अधिकारी शशि कमार और जिला स्तरीय और विकास खंड अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर परिवार के लिए प्रत्येक माह मेडिकल कैंप लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए कहा है और उनके जीवन शैली में बदलाव लाने के लिए शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में शाम के समय विभिन्न गतिविधियों में शामिल करके उनका बौद्धिक और कौशल विकास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले में नावाचार को भी बढ़ावा देने के लिए कहा है और संरक्षित जनजाति परिवारों के लिए पायलेट प्रोजेक्ट चालू करने के निर्देश दिए हैं।

राज्यपाल ने बच्चों को नशापान से दूर रखने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समीक्षा के दौरान जशपुर जिले की लखपति दीदी श्रीमती लालमणि प्रजापति को सम्मानित करने की बात कही उन्होंने कहा लखपति दीदी ने बढ़िया काम किया है उन्हें राजभवन में सम्मानित किया जाएगा।

राज्यपाल ने जशपुर जिले के स्व सहायता समूह की महिलाओं का आत्मनिर्भर बनाने के लिए और हस्तकला में पारंगत बनाने के लिए समूहों की दीदियों को आसाम और उड़ीसा राज्य भेजने के निर्देश दिए है? ताकि समूह की महिलाएं बाजार की मांग के अनुसार नया डिजाइन के साड़ी,साल और अन्य सामग्री तैयार कर सके।

श्री रमेन डेका ने जल संरक्षण और संवर्धन के लिए बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। छोटे और बड़े किसानों के खेतों में डबरी निर्माण और पुराने कुआं का जिर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। योग को बढ़ावा देने के लिए नियमित अभ्यास को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा के दौरान उन्होंने वरिष्ठ नागरिक और 75 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाने को कहा।

किसानों का आर्थिक विकास हो इसके लिए खेती के आधुनिक तकनीक की जानकारी देने के लिए कहा है। किसानों को वरमी कम्पोस्ट खाद और आर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण संवर्धन के तहत रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, अमृत सरोवर,सोकपिट और मैजिक पिट बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा रहा है गांव में सेग्रेशन शेड एवं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जिले के सभी विकास खंड में 100 दिवसीय निक्षय निरामय अभियान चलाया जा रहा है।

जिला मुख्यालय में जिला ग्रंथालय संचालित किया जा रहा है प्रातः 6 बजे से रात 11 बजे तक संचालित होता है जहां बच्चों की सुविधा के लिए निःशुल्क वाई फाई की सुविधा दी गई है। जिला ग्रंथालय में 6425 पुस्तकें उपलब्ध है।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए आगामी 7 अप्रैल से अन्वेषण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जशपुर जिले के विघार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और इसरो की उपलब्धियों से परिचित कराने के लिए स्पेस ऑन व्हील्स अन्वेषण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

सोगड़ा धाम में की मां काली की पूजा, मांगा आशीष

राज्यपाल रमेन डेका ने रविवार को मनोरा विकास खंड के सोगड़ा स्थित जशपुर के प्रसिद्ध अघोर संत भगवान अवधूत राम के आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने माँ काली की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

श्री डेका ने गुरुपद संभव राम बाबा जी से भेंट कर आश्रम की विभिन्न गतिविधियों एवं परंपराओं के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की।

इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार और वनमंडला अधिकारी शशि कुमार उपस्थित थे।

आश्रम प्रवास के दौरान राज्यपाल

जशपुर का केरेगांव होम-स्टे बना आकर्षण का केन्द्र, राज्यपाल डेका ने जताया संतोष

राज्यपाल रमेन डेका ने जशपुर प्रवास के दौरान शनिवार को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल देशदेखा के समीप स्थित केरेगांव में विकसित होम-स्टे का अवलोकन किया। इस दौरान वे स्थानीय आदिवासी संस्कृति, जनजीवन और पारंपरिक आतिथ्य परंपरा से रूबरू हुए। होम-स्टे प्रवास के दौरान उन्होंने देशदेखा समूह की महिलाओं द्वारा पारंपरिक विधि से तैयार किए गए व्यंजनों का स्वाद चखा।

राज्यपाल श्री डेका ने ग्रामीण परिवेश में विकसित होम-स्टे को प्रेरणादायक कदम बताया और कहा कि यह प्रयास न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय महिलाओं और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते हैं।

इस दौरान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने 'जसक्राफ्ट' ब्रांड के तहत छिंद एवं कांसा से निर्मित पारंपरिक आभूषण माला एवं झुमके राज्यपाल को भेंट किए। राज्यपाल श्री डेका ने स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल कौशल विकास, रोजगार सृजन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

'देशदेखा क्लाइंबिंग कम्पनी' के सदस्यों ने भी राज्यपाल से भेंट की। उन्होंने क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां नियमित रूप से रॉक क्लाइंबिंग जैसे खेलों का आयोजन किया जाता है। राज्यपाल ने अधिकारियों को ऐसे खेलों को निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन देने को कहा, ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिले और अधिक से अधिक युवा इन गतिविधियों की ओर आकर्षित हों।

हरी खाद से बदली तस्वीर : कम लागत, बेहतर मुनाफा और मिट्टी भी रहे स्वस्थ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेती की पारंपरिक तस्वीर तेजी से बदल रही है। रायगढ़ जिले में हरी खाद आधारित खेती किसानों के लिए एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प के रूप में उभर रही है। यह पद्धति जहां मिट्टी की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से मजबूत कर रही है, वहीं किसानों को कम लागत में बेहतर मुनाफा भी दिला रही है।

लैलूंगा विकासखंड के प्रगतिशील किसान जतिराम भगत इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। वे पिछले 22 वर्षों से जैविक और हरी खाद आधारित खेती कर रहे हैं। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उत्पादन थोड़ा कम लग सकता है, लेकिन समय के साथ मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होने पर उत्पादन स्थायी और बेहतर हो जाता है। उन्होंने इस वर्ष 2 एकड़ में श्री विधि और लाइन कतार पद्धति से खेती कर प्रति एकड़ लगभग 15 क्विंटल धान और 9 क्विंटल चावल उत्पादन प्राप्त किया। उनकी लागत 15 से 20 हजार रुपये प्रति एकड़ रही, जबकि शुद्ध मुनाफा लगभग 80 हजार रुपये तक पहुंचा।

कृषि विभाग के अनुसार खरीफ सीजन से पहले 15 मई के बाद हरी खाद की बुआई का उपयुक्त समय होता है। ढैंचा, सनई और मूंग जैसी फसलों को 45-50 दिन बाद खेत में मिलाने से मिट्टी में जैविक पोषक तत्वों की वृद्धि होती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। लैलूंगा में हरी खाद का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। विभाग ने इस वर्ष 2000 एकड़ में हरी खाद बुआई का लक्ष्य निर्धारित किया है। 'यूरिया-डीएपी छोड़बो, हरी खाद बुआई करबो' जैसे संकल्प अब किसानों के बीच नई दिशा तय कर रहे हैं।

हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वरकों की उत्पादन तकनीक व उपयोग के ज्ञान को किसानों तक पहुंचाएं कृषि वैज्ञानिक व अधिकारी : शहला निगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ की। उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वरकों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी खरीफ सीजन से पहले किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्पों के प्रति जागरूक करना और सतत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना था।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी को देखते हुए हरित खाद, नीली-हरी शैवाल और जैव उर्वरक जैसे विकल्प फसलों की पोषक आवश्यकताओं का लगभग 50 प्रतिशत तक पूरा कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले दो से तीन महीनों में इन तकनीकों के उत्पादन और उपयोग को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए 150 से अधिक कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर उभरती अनिश्चितताओं के बीच छत्तीसगढ़ ने टिकाऊ कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दक्षिण-पूर्व एशिया और विशेषकर ईरान में जारी संघर्ष के कारण पेट्रोलियम उत्पादों एवं उर्वरक निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल के आयात पर संभावित असर को देखते हुए राज्य सरकार ने वैकल्पिक पोषक स्त्रोतों को बढ़ावा देने की पहल तेज कर दी है।

तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने मृदा स्वास्थ्य सुधार और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता के लिए जैविक एवं पर्यावरण-अनुकूल उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने बताया कि नीली-हरी शैवाल नाइट्रोजन स्थिरीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, विशेषकर धान की खेती में इसकी उपयोगिता अधिक है। वहीं, हरित खाद से मृदा की संरचना बेहतर होती है और पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन को भविष्य की कृषि के लिए अनिवार्य बताया गया।

गांव-गांव तक बैंकिंग सुविधा पहुंचाकर जीवन आसान बना रही हैं रिंगो कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोंडागांव जिले के मर्दापाल तहसील के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित सुदूर ग्राम कुधुर, जो कभी माओवाद के प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था, आज परिवर्तन की नई कहानी लिख रहा है। पहले ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की राशि निकालने के लिए 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल जाना पड़ता था, वहीं अब गांव में ही इसकी सुविधा मिल रही है।

यह परिवर्तन संभव हुआ है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल और बीसी सखी के रूप में कार्यरत रिंगो कश्यप के प्रयासों से। कुधुर के गुमियापाल पारा की रिंगो न केवल कुधुर, बल्कि तुमड़ीवाल और टेकापाल के ग्रामीणों को भी घर-घर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

रिंगो कश्यप ने वर्ष 2020 में मां पार्वती स्व सहायता समूह से जुड़कर अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद वर्ष 2024 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के

अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने बीसी सखी के रूप में कार्य प्रारंभ किया। आज उनके माध्यम से ग्रामीणों को महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि गांव में ही आसानी से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही बिजली बिल भुगतान और अन्य वित्तीय लेनदेन भी सरल हो गए हैं।

अब तक रिंगो कश्यप द्वारा 355 से अधिक सफल लेनदेन किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 6 लाख 75 हजार रुपये से अधिक है। इससे न केवल ग्रामीणों की समस्याएं कम हुई है, बल्कि रिंगो कश्यप की अपनी आमदनी भी बढ़ी है।

स्वच्छ भारत : घर में शौचालय बन जाने से राजेश्वरी को सुरक्षा के साथ मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाएं केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करातीं, बल्कि लोगों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान को भी बेहतर बनाती हैं। इसी कड़ी में मुंगेली विकासखंड के ग्राम पचौटिया की निवासी राजेश्वरी मरावी के जीवन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

पहले उनके घर में शौचालय की सुविधा नहीं थी, जिससे उन्हें और उनके परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। शासन की पहल से उन्हें व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की स्वीकृति मिली, जिसके बाद उन्होंने शौचालय का निर्माण पूर्ण कराया। निर्माण पूर्ण होने पर उन्हें डीबीटी के माध्यम से 12 हजार

रूपए की प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई।

राजेश्वरी ने बताया कि उनके घर में शौचालय बनने से उनकी सबसे बड़ी समस्या दूर हो गई है। उन्हें बाहर जाने की परेशानी से मुक्ति मिली है, जिससे न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि परिवार की महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान भी मिला है। राजेश्वरी मरावी ने शासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा उनके जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आई है। अब उनका परिवार स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में रह रहा है।

घट रही चार के पेड़ों की संख्या, चिरौंजी के उत्पादन पर पड़ेगा असर

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले के जंगलों में चार फल के पेड़ों में आ रही कमी के कारण अब चिरौंजी भी दुर्लभ उपज की श्रेणी में आने लगा है। दरअसल ग्रामीणों द्वारा चिरौंजी के लालच में चार फल को पकने से पहले ही तोड़ लिया जाता है जिससे नए पौधे पनप नहीं पाते। पेड़ों के संरक्षण के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

शीतल पेय, मीठा सहित विभिन्न खाद्य सामानों का स्वाद बढ़ाने के लिए चिरौंजी उपयोग किया जाता है। खासतौर पर मीठे में ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। चिरौंजी ड्रायफ्रूट की भी श्रेणी में आता है। चिरौंजी का बाजार मूल्य 1500 से 1800 रूपये किलो तक है। जिले के दूरस्थ वन क्षेत्र लेमरू, पसरखेत, कोलगा, मदनपुर आदि क्षेत्रों में सघन पेड़ थे जो अब विरल होने लगे हैं। चार के फलों को भी कभी बड़े चाव से खाया जाता था।

चार के पेड़ों की इस कमी के लिए मुख्य रूप से पेड़ों की कटाई और लोगों में जागरूकता की कमी है। लोग पकने से पहले ही चार को तोड़ लेते है। उनका यह लालच अब भारी पड़ रहा है।

कोरबा जिले के शेखर प्रसाद ने बताया कि एक समय था जब खुले बाजार में चार फल खाने के लिए बिकता था। पके हुए चार फल को खाने का स्वाद अलग होता है, मगर अब चार फल बाजार से गायब हो चुका है। दरअसल, चिरौंजी के लालच में लोग पकने से पहले ही फल को तोड़ लेते है, जिससे अब पका हुआ फल खाने को नहीं मिलता। पके हुए चार फल को पक्षी भी खाते हैं और उसके बीज डिस्पर्सल करते है। इसी तरह आम लोग भी चार का फल खाने के बाद बीज को फेंक देते है जिससे नए पौधे बनते है। मगर पिछले कुछ सालों से फल को कच्चा ही संग्रहण करने का चलन बढ़ा है जिसका दुष्परिणाम है कि अब न तो चार के बीज जमीन पर गिर रहे हैं और न ही नए पौधे उग रहे हैं। इस तरह से चार पेड़ों की तादात में भी लगातार कमी आई है।

कोरबा जिले के जंगल में साल-सागौन के अलावा विभिन्न प्रजाति के पेड़ मौजूद हैं। महुआ, तेंदू, डोरी, चार फल समेत अनेकों वनोपज मिलते है। आदिवासी ग्रामीण सदियों से इन्हीं वनोपज का संग्रहण कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है और अच्छी आमदनी भी कमाते है। मगर वर्तमान परिवेश में खासकर चार फल के पेड़ में कमी देखी जा रही है, जो चिंता का विषय है। अगर समय रहते चार पेड़ के संरक्षण की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो मिठाई से चिरौंजी गायब हो जाएगा और आने वाला जनरेशन सिर्फकिताबों या इंटरनेट पर चार फल की तस्वीर ही देख पायेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950